वर्ष-16 , अंक 146
सोमवार
09 फरवरी 2026
पृष्ठ-8 मूल्य -1
www.sititoday.com

सिटी टुडे

ग्वालियर से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत, दोनों देशों के बीच मित्रता हुई गहरी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मलेशिया की आधिकारिक यात्रा ने दोनों देशों के बीच सदियों पुराने और रणनीतिक संबंधों को एक नई ऊंचाई प्रदान की है। यात्रा के औपचारिक शुभारंभ के अवसर पर पुत्रजया स्थित पेरदाना पुत्र में प्रधानमंत्री मोदी का भव्य स्वागत किया गया। यह सम्मान न केवल कूटनीतिक शिष्टाचार का हिस्सा था, बल्कि भारत और मलेशिया के बीच गहरे होते भरोसे और स्थायी मित्रता का भी प्रतीक बना। विदेश मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा भारत और मलेशिया के बीच सभ्यतागत, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और अधिक सशक्त करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। इस दौरान दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से व्यापक चर्चाएं हुईं। आधिकारिक सूत्रों का कहना है

कि भारत-मलेशिया की साझेदारी साझा आकांक्षाओं और आपसी विश्वास पर टिकी है, जिसे इस यात्रा के माध्यम से एक नई ऊर्जा मिली है।

प्रधानमंत्री मोदी ने स्वयं इस यात्रा के महत्व को साझा करते हुए कहा कि भारत और मलेशिया विश्वास और दोस्ती पर आधारित अपनी साझेदारी को और गहरा कर रहे हैं। उनके दो दिवसीय दौरे में उच्च-स्तरीय बैठकें, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और भारतीय प्रवासियों के साथ संवाद जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम शामिल रहे। इस यात्रा का एक विशेष पहलू सांस्कृतिक जुड़ाव रहा, जहाँ प्रधानमंत्री ने मलेशिया में भारतीय विरासत, विशेषकर तमिल समुदाय द्वारा अपनी परंपराओं को संरक्षित रखने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने एक कार्यक्रम के दौरान तिरुमुराई भक्ति गीतों के गायन को बेहद सराहनीय बताया।

यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच का व्यक्तिगत तालमेल और सौहार्द तब स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जब प्रधानमंत्री मोदी और मलेशियाई प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम को एक साथ कार में यात्रा करते देखा गया। कुआलालंपुर में एक सामुदायिक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए साथ जाना दोनों नेताओं के बीच की गहरी समझ और व्यक्तिगत केमिस्ट्री को दर्शाता है।भारत और मलेशिया के बीच के संबंध केवल कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें व्यापार, सुरक्षा और जन-केंद्रित संबंधों का भी समावेश है। प्रधानमंत्री की यह यात्रा भविष्य की साझा चुनौतियों से निपटने और विकास के नए अवसरों को तलाशने के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अंततः, यह दौरा आपसी विश्वास, साझा मूल्यों और एक उज्जवल भविष्य के संकल्प को रेखांकित करने वाला साबित हुआ है।

सच्चा वादा-पक्का काम ही राज्य सरकार की है पहचान : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सच्चा वादा-पक्का काम ही राज्य सरकार की पहचान है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार जनजातीय भाई-बहनों के सर्वांगीण विकास में जुटी है। जनजातीय भाई-बहनों का राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण हो रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी को माता शबरी जयंती की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि निष्कपट भक्ति, समर्पण और साधना की सर्वोच्च प्रतीक शबरी मैया ने सारा जीवन रघुवर की प्रतीक्षा की। प्रेम में समर्पित इस प्रतीक्षा का फल केवल माता शबरी को ही नहीं मिला बल्कि स्वयं भगवान श्री राम को भी मिला। मनुष्य से मनुष्य का प्रेम ही सनातन संस्कृति की विशेषता है। भगवान श्रीराम और माता शबरी का प्रेम बताता है कि हमारे समाज में जातिवाद के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शहडोल जिले के धनपुरी में नगर पालिका द्वारा 20 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए वॉटर पार्क के लोकार्पण अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का साफा तथा गजमाला पहनाकर अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम में कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री श्री दिलीप जायसवाल उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गीता भवन निर्माण की घोषणा करते हुए कहा कि इसके बन जाने से क्षेत्र के विद्यार्थियों को लाइब्रेरी और कोचिंग जैसी शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल सिंचाई काम्पलेक्स निर्माण की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत सोन नदी पर 4 माइक्रो सिंचाई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। लगभग 2300 करोड़ रुपए की इस योजना से 50 हजार हैक्टेयर सिंचाई का रकबा बढ़ेगा, जिससे 122 गांव को लाभ होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जैतपुर को नगर पंचायत बनाने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शहडोल मेडिकल कॉलेज में सीट वृद्धि के संबंध में विभाग से प्रस्ताव प्राप्त होने पर सीट वृद्धि की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शहडोल जिले में 160 करोड रुपए लागत से 45 किलोमीटर सड़क निर्माण तथा जैतपुर महाविद्यालय में कला और विज्ञान संकाय के भवन निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवीन महाविद्यालय आरंभ करने की भी घोषणा की। उन्होंने 3 किलोमीटर लंबे मॉडल रोड निर्माण पर भी सहमति प्रदान की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता बहनों के कल्याण के लिए पूरी सरकार समर्पित है इसीलिए लाड़ली बहना योजना सहित महिला सशक्तिकरण के लिए कई योजनाएं बनाई गई हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में लखपति दीदी योजना, लखपति ड्रोन दीदी योजना, रजिस्ट्री में माता-बहनों को 2 प्रतिशत की छूट दी जा रही है। लोकसभा-विधानसभा में भी बहनों को आरक्षण मिलने वाला है। आने वाला समय माता-बहनों का है, हमारी संस्कृति बहनों के आधार पर ही पुष्पित पल्लवित होती रही है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत का सम्मान लगातार बढ़ रहा है। भारत वैश्विक मंच पर प्रमुख आर्थिक शक्ति बन कर उभर रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने अमेरीका से हुए समझौते में किसानों के हितों को सबसे ऊपर रखा है। केंद्र हो या राज्य सरकार युवा,गरीब, किसान और महिलाओं का कल्याण सर्वोपरि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश कृषि हो या उद्योग सभी क्षेत्रों में लगातार प्रगति कर रहा है। प्रदेश में सिंचाई का रकबा 44 लाख हैक्टेयर हुआ है। युवाओं को भी बड़े पैमाने पर रोजगार के

62 नेताओ को निगम मंडल की कुर्सियों से दूर रहने के संकेत दिए भाजपा ने कहा संगठन को उनके कुशल कार्यक्रम की जरूरत है

सिटी टुडे

मप्र भाजपा 2028 विधानसभा चुनाव को लक्ष्य बनाकर काम कर ही है। इसी लिये पार्टी ने संगठनात्मक नियुक्तियां करते हुए 62 जिला प्रभारियों की नियुक्ति की है। प्रदेश के बड़े और प्रभावशाली जिलों की कमान संभाग के बाहर के नेता को दी गई है। इसी नियुक्ति के माध्यम से भाजपा ने जहां संगठन का और अधिक मजबूत करने की कोशिश की है, वहीं निगम-मंडल और प्राधिकरणों में होने वाली राजनीतिक नियुक्तियों की दौड़ में लगे नेताओं की भीड़ को कम किया है।

पार्टी ने जिन 62 नेताओं को जिला प्रभारी बनाया है, वे निगम-मंडल की दौड़ से लगभग बाहर होने के संकेत है।

जिला प्रभारियों की जो सूची मे सबसे बड़ी बात ये है कि इसमें पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद से लेकर मौजूदा विधायक और कई दिग्गज नेताओं को जिलों की कमान सौंपी गई है। कुछ नाम तो ऐसे हैं जो राजनीतिक नियुक्तियों की दौड़ में शामिल थे। कुछ चुनाव हारे हुए नेताओं को भी प्रभार देकर संगठन में एडजस्ट किया है। पार्टी ने 33% की जगह 10 प्रतिशत यानी 6 जिलों का प्रभार महिला नेताओं को सौंपा है। अर्चना सिंह को दमोह, नंदिता पाठक को मैहर, मनीषा सिंह को जबलपुर ग्रामीण, राजो मालवीय को रायसेन, संगीता सोनी को खरगौन और बबीता परमार को उज्जैन ग्रामीण की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

संगठन महामंत्री के संघ तथा संगठन मुख्यमंत्री डॉ. यादव तथा हेमंत खंडेलवाल प्रदेश अध्यक्ष की सलाह मान सकता है

मप्र में यह पहला मौका है, जब भाजपा संगठन महामंत्री पद को लेकर असमंजस की स्थिति बनी। इसके पहले भी बदलाव के पहले सह संगठन महामंत्री की व्यवस्था रही है। फिलहाल क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल के हाथ कमान सौंपी गई है। वहीं संभाग प्रभारी और प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में अजय जमवाल ने संकेत दिए हैं कि लगभग 2 महीने में मप्र भाजपा को नया संगठन महामंत्री मिल जाएगा। सत्ता-संगठन की निगाहें मार्च में होने वाली संघ की अभा प्रतिनिधि सभा बैठक पर लगी हैं। जानकारों का दावा है कि प्रचारकों की कमी को देखते हुए नई नियुक्ति के आसार अन्य राज्यों की तरह कम हैं। इसलिए मप्र में यथास्थिति बनी रह सकती है। कुछ नामों की अटकलें हैं। इनमें भीखू भाई के अलावा मिथिलेश माहेश्वरी, विमल गुप्ता, अनिल अग्रवाल और राजमोहन सिंह अन्य शामिल हैं। मप्र के अलावा देश में महाराष्ट्र, राजस्थान, कर्नाटक और गोवा जैसे राज्य हैं, जहां संगठन महामंत्री के बिना ही व्यवस्थाएं चल रही हैं। संघ ने इन राज्यों में भी पद खाली होने के बाद किसी नए प्रचारक की नियुक्ति नहीं की। राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष और सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश लगातार इन सभी राज्यों की सांगठनिक मॉनिटरिंग कर रहे हैं इसी तरह मध्य प्रदेश में भी हो सकता है।पार्टी सूत्रों का कहना है कि यदि आरएसएस ने कोई निर्णय लिया है तो उसकी जानकारी प्रतिनिधि सभा में मिलेगी। तब तक श्री जामवाल ही मप्र में पूर्व संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा की भूमिका में रह सकते हैं बैठक में खंडेलवाल ने भी कहा कि पार्टी को अजय जमवाल जी का मार्गदर्शन मिलता रहेगा। इस बैठक के बाद खंडेलवाल और जामवाल की मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ भी बैठक हुई। इसमें तय हुआ कि जितनी भी अलग-अलग नियुक्तियों को लेकर आम सहमति बन चुकी है। उन्हें जारी किया जाए। इसी के बाद देर शाम जिला प्रभारियों की नियुक्ति के आदेश जारी हो गए।

भाजपा ने जिन नेताओं को जिला प्रभारी बनाया है उनमें उनमें मुरैना का प्रभारी राजू बाथम, भिंड का प्रभारी हमीर सिंह पटेल, दतिया का प्रभारी गजेंद्र सिकरवार, ग्वालियर शहर का प्रभारी गोपीकृष्ण नेमा, ग्वालियर ग्रामीण का प्रभारी गोपाल आचार्य, श्योपुर का प्रभारी कमल माखीजानी, शिवपुरी का प्रभारी डॉ नंदकिशोर नापित, गुना का प्रभारी राजेंद्र राजपूत, अशोकनगर का प्रभारी शैलेंद्र जैन, सागर का प्रभारी लोकेंद्र पाराशर, सागर ग्रामीण का प्रभारी सदानंद गौतम, टीमकगढ़ का प्रभारी पुष्पेंद्रनाथ पाठक, निवाड़ी का प्रभारी दीपक सिंह भदौरिया, छतरपुर का प्रभारी नीरज मनोरिया, दमोह का प्रभारी अर्चना सिंह, पन्ना का प्रभारी जाहर सिंह, रीवा का प्रभारी रविंद्र चौहान, मऊगंज का प्रभारी शशांक श्रीवास्तव, सतना का प्रभारी जीएस ठाकुर, मैहर का प्रभारी नंदिता पाठक, सीधी का प्रभारी नरेंद्र त्रिपाठी,सिंगरौली का प्रभारी विनोद यादव, शहडोल का प्रभारी अभिलाष पांडे, अनूपपुर का प्रभारी संजय साहू, उमरिया का प्रभारी राजेंद्र पांडे, जबलपुर शहर का प्रभारी आलोक संजर, जबलपुर ग्रामीण का प्रभारी मनीषा सिंह, कटनी का प्रभारी सुजीत जैन, डिंडोरी का प्रभारी कमल प्रताप सिंह, मंडला का प्रभारी रमेश भटेरे, नरसिंहपुर का प्रभारी शरद जैन, बालाघाट का प्रभारी अभिलाष मिश्रा, सिवनी का प्रभारी अशोक रोहाणी, छिंदवाड़ा का प्रभारी आदित्य बबला शुक्ला, पाढूर्ना का प्रभारी दीपांकर बैनर्जी, नर्मदापुरम का प्रभारी अलकेश आर्य, हरदा का प्रभारी डॉ. प्रभुराम चौधरी, बैतूल का प्रभारी सुदर्शन गुप्ता, भोपाल शहर का प्रभारी जसवंत सिंह हाड़ा, भोपाल ग्रामीण का प्रभारी प्रदीप लारिया, रायसेन का प्रभारी राजो मालवीय, विदिशा का प्रभारी सीताराम यादव, सिहोर का प्रभारी विकास विरानी, राजगढ़ का प्रभारी ध्रुवनारायण सिंह, इंदौर शहर का प्रभारी राजेश सोलंकी, इंदौर ग्रामीण का प्रभारी शैलेंद्र डागा, धार का प्रभारी सुभाष कोठारी, धार ग्रामीण का प्रभारी राधेश्याम यादव, आलीराजपुर का प्रभारी दिलीप पटोदिया, झाबुआ

का प्रभारी राजेंद्र राठौड़, खंडवा का प्रभारी अंबाराम कराड़ा, बुरहानपुर का प्रभारी क्षितिज भट्ट, खरगौन का प्रभारी संगीता सोनी, बड़वानी का प्रभारी बाबूलाल यादव, उज्जैन शहर का प्रभारी बजरंग पुरोहित, उज्जैन ग्रामीण का प्रभारी बबीता परमार, शाजापुर का प्रभारी प्रभुलाल जाटव, आगरमालवा का प्रभारी जयदीप पटेल, देवास का प्रभारी धनंजय शर्मा, रतलाम का प्रभारी विवेक जोशी, मंदसौर का प्रभारी दिलीप सकलेचा और नीमच का प्रभारी सुभाष पटेल हैं।

जिलों की टीम भी जल्द

श्री जामवाल ने सभी प्रभारियों और प्रदेश पदाधिकारियों से कहा कि वे इस कोशिश में जुटे हैं कि जिलों में जितनी भी लंबित प्रक्रिया है उसे उसे पूरा कर बचे हुए जिलों की कार्यकारिणी, मंडलों की टीम और मोर्चे की टीमों की घोषणा जल्द हो। इसी के साथ जेल, स्वास्थ्य और कॉलेजों की समितियां फाइनल की जाएं। निकायों में एल्डरमैन बनने हैं, इसमें महापौरों को भी तवज्जो देकर उनके नाम लो। सूची जारी करो। जमवाल ने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों व प्रशिक्षण प्रोग्राम को भी करने की बात कही।

जिलों का दौरा कर चुके जामवाल

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव के करीब एक साल पहले श्री जामवाल, क्षेत्रीय संगठन महामंत्री के बतौर मध्य प्रदेश के साथ छत्तीसगढ़ में संगठन का काम देख रहे हैं। जबकि छत्तीसगढ़ में संगठन महामंत्री पद पर पवन साय पहले से ही तैनात हैं। इसलिए जामवाल को पूरी तरह मध्य प्रदेश की देखरेख के लिए कहा जा सकता है। मध्य प्रदेश के लगभग सभी जिलों में कई बार उनका दौरा हो चुका है । प्रदेश में हमेशा बदलाव के साथ ही तत्काल नई नियुक्ति होती रही है। संगठन, उपयोगिता के आधार पर नई नियुक्ति का निर्णय करता है। व्यवस्थाओं में समय-समय पर बदलाव होता रहता है। पिछले दिनों राष्ट्रीय संगठन मंत्री बीएल संतोष बीजेपी दफ्तर भोपाल में बैठक कर चुके हैं। प्रदेश प्रभारी महेंद्र सिंह चौहान के साथ उनकी बैठक हुई है। इस बैठक का असर क्या होता है कि आने वाले दिनों में दिखाई देगा।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा-अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ घटाकर शून्य किया

किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच हुई अंतरिम ट्रेड डील को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भोपाल में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह डील ऐतिहासिक है और पूरी दुनिया को यह संदेश देती है कि भारत की नीति समझौते की है, झुकने की नहीं। उन्होंने दो टूक कहा कि किसानों के हितों पर कोई आंच नहीं आने दी जाएगी और इस समझौते में ऐसा कोई भी उत्पाद शामिल नहीं है, जिससे भारतीय किसानों को नुकसान पहुंचे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चौहान ने साफ किया कि भारत में किसी भी प्रकार के आनुवंशिक रूप से संशोधित यानी जीएम कृषि उत्पादों को प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने इसे भारतीय कृषि के लिए बेहद अहम फैसला बताया और कहा

कि इससे हमारी मिट्टी, हमारे बीज और कृषि की शुद्धता सुरक्षित रहेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में सभी संवेदनशील कृषि उत्पादों को पूरी तरह बाहर रखा गया है। सोयाबीन, मक्का, चावल, गेहूं, चीनी, मोटे अनाज, पोल्ट्री, डेयरी, केले, स्ट्रॉबेरी, चेरी, खट्टे फल, हरी मटर, काबुली चना, मूंग, तिलहन, इथेनॉल और तंबाकू जैसे उत्पादों पर किसी भी तरह की टैरिफ छूट नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा चिंता हमारे प्रमुख अनाजों को लेकर थी और ये सभी सुरक्षित रखे गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने साफ किया कि अमेरिका के लिए भारत ने अपने प्रमुख अनाज, फल और डेयरी उत्पादों का कोई द्वार नहीं खोला है। छिलका रहित अनाज, आटा, गेहूं, मक्का, चावल, बाजरा, आलू, प्याज, मटर, बीन्स, खीरा, मशरूम, दलहन, फ्रोजन सब्जियां, संतरे, अंगूर, नींबू और स्ट्रॉबेरी जैसे अमेरिकी कृषि उत्पाद भारत में नहीं आएंगे। इसके अलावा मिक्स डिब्बाबंद सब्जियों को भी भारत में अनुमति नहीं दी जाएगी। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि दुग्ध उत्पादों में भी भारत ने अपनी सीमाएं स्पष्ट कर दी हैं। अमेरिका से लिक्विड दूध, मिल्क पाउडर, क्रीम, योगर्ट, बटरमिल्क, मक्खन, घी, बटर ऑयल, पनीर और चीज को भारत में प्रवेश नहीं मिलेगा। इससे भारतीय डेयरी सेक्टर और किसान परिवारों की आजीविका पूरी तरह सुरक्षित रहेगी।

चौहान ने कहा कि इस समझौते के तहत भारतीय किसानों के कृषि उत्पादों को अमेरिका में शून्य शुल्क पर निर्यात किया जाएगा, जबकि अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजार में ऐसी कोई रियायत नहीं दी गई है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने कई कृषि उत्पादों पर टैरिफ 50 फीसदी से घटाकर शून्य कर दिया है। उन्होंने कहा कि मसालों के निर्यात में भारत ने बड़ी छलांग लगाई है। भारत के मसाला निर्यात में 88 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है और भारतीय मसाले व मसाला उत्पाद दुनिया के 200 देशों तक पहुंच रहे हैं। 2024-25 में भारत का कुल निर्यात 4.45 बिलियन डॉलर तक पहुंच चुका है।

केंद्रीय मंत्री चौहान ने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने साफ कहा था कि देश को झुकने नहीं देंगे और किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस ट्रेड डील में दोनों बातों का पूरा ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी के नेतृत्व में अब तक 9 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हो चुके हैं। अमेरिका के अलावा यूएई के 27 देश, ओमान, न्यूजीलैंड और यूके के साथ भारत एफटीए कर चुका है, जबकि अन्य देशों से बातचीत चल रही है। चौहान ने कहा कि इन सभी समझौतों का फायदा भारतीय अर्थव्यवस्था, किसानों, मजदूरों, गरीबों, निर्यातकों और निर्माताओं को मिलेगा और 2047 तक विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ये मील का पत्थर साबित होंगे।

तीन मंजिला इमारत ढहने से कोचिंग छात्र समेत दो की मौत, कई घायल

जयपुर

राजस्थान के शिक्षा नगरी कोटा के तलवंडी इलाके में शनिवार देर रात एक हृदय विदारक हादसा हुआ, जिसने पूरे शहर को झकझोर कर रख दिया। यहाँ स्थित एक तीन मंजिला इमारत अचानक ताश के पत्तों की तरह ढह गई, जिसमें दबने से पश्चिम बंगाल के 20 वर्षीय कोचिंग छात्र आर्यन और एक अन्य व्यक्ति की दुखद मौत हो गई। हादसे के समय इमारत के भूतल पर संचालित एक रेस्टोरेंट में कई लोग भोजन कर रहे थे, जो मलबे के नीचे दब गए।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और एसडीआरएफ की टीमों ने मौके पर पहुँचकर रात भर सघन रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटनास्थल पर स्थिति अत्यंत भयावह थी; मलबे के बीच

फंसे लोगों की चीखें सुनाई दे रही थीं और कुछ लोगों के हाथ-पैर बाहर दिखाई दे रहे थे। इस दुर्घटना में कुल 8 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि 5 अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई है। मृतकों में शामिल छात्र आर्यन कोटा में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा था और रोज की तरह वहां खाना खाने गया था। इमारत गिरने के पीछे निर्माण कार्य और निरंतर हो रहे कंपन को बड़ी वजह माना जा रहा है। स्थानीय निवासियों ने बताया कि पिछले कई दिनों से इमारत के पीछे ड्रिल और हैमर मशीनों से खुदाई का काम चल रहा था, जिससे पूरी बिल्डिंग में तेज वाइब्रेशन हो रहा था। शनिवार रात करीब 9 बजे अचानक पटाखे जैसी तेज आवाज सुनाई दी और पलक झपकते ही पूरी इमारत जमींदोज हो गई।

इंदौर में छात्र की सड़क हादसे में मौत

इंदौर। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र की सड़क हादसे में मौत हो गई। राऊ पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का जिला अस्पताल में पोस्ट मार्टम करवाया है। टक्कर मारने वाले वाहन की जानकारी नहीं मिली है। घटना शुक्रवार रात दिल्ली पब्लिक स्कूल के समीप की है। पुलिस के अनुसार मृतक का नाम 26 वर्षीय रुपेश आर्य निवासी ग्राम वरला(बड़वानी) है। चाचा संदीप के अनुसार रूपेश प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने शहर आया था। वह पार्ट टाइम में राइडर (डिलीवरी ब्वाय) की नौकरी करता था। रात करीब साढ़े दस बजे वह काम से सिलीकान सिटी गया था। लौटने के दौरान किसी वाहन ने टक्कर मार दी। घायल अवस्था में रुपेश को ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया गया। चाचा के अनुसार रुपेश के मोबाइल से ही काल आया था। सूचना मिलते ही वह अस्पताल पहुंचे लेकिन रुपेश की मौत हो गई।

'क्लीन रेड स्पॉट-नो थू-थू' अभियानः महापौर ने की सफाई

इंदौर

नगर निगम ने स्वच्छता के क्षेत्र में नया कदम उठाते हुए शहर से रेड स्पॉट खत्म करने का लक्ष्य तय किया है। इंदौर के सरवटे बस स्टैंड और राजवाड़ा परिसर से शनिवार को शहर में 'क्लीन रेड स्पॉट' अभियान की शुरुआत की गई। यह अभियान अब हर शनिवार चलाया जाएगा। अभियान के शुभारंभ के मौके पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव स्वयं सरवटे बस स्टैंड क्षेत्र और राजवाड़ा के मुख्य गेट पहुंचे और सफाई अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए श्रमदान किया। इस दौरान महापौर ने लोगों को सार्वजनिक स्थानों पर इधर-उधर थूकने से रोकते हुए स्पीट कप और स्पीट बॉक्स का उपयोग करने की समझाइश दी। साथ ही लोगों को स्पीट कप भी वितरित किए। महापौर ने कहा कि स्वच्छता में देश में आठ बार नंबर वन रह चुके इंदौर में आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण को ध्यान में रखते हुए आज से प्रत्येक शनिवार को शहर के सभी 85 वार्डों में यह अभियान चलाया जाएगा।

महाकाल मंदिर पहुंचे बॉलीवुड गायक मीका सिंह

उज्जैन

बॉलीवुड के प्रसिद्ध गायक मीका सिंह शनिवार तड़के करीब चार बजे विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे। वे तड़के होने वाली भस्म आरती में शामिल हुए और नंदी हॉल में बैठकर लगभग डेढ़ घंटे तक भगवान महाकाल के दर्शन किए। आरती के दौरान मीका सिंह पूरी तरह भक्ति में लीन नजर आए। आरती के पश्चात उन्होंने देहरी से पूजन कर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया।

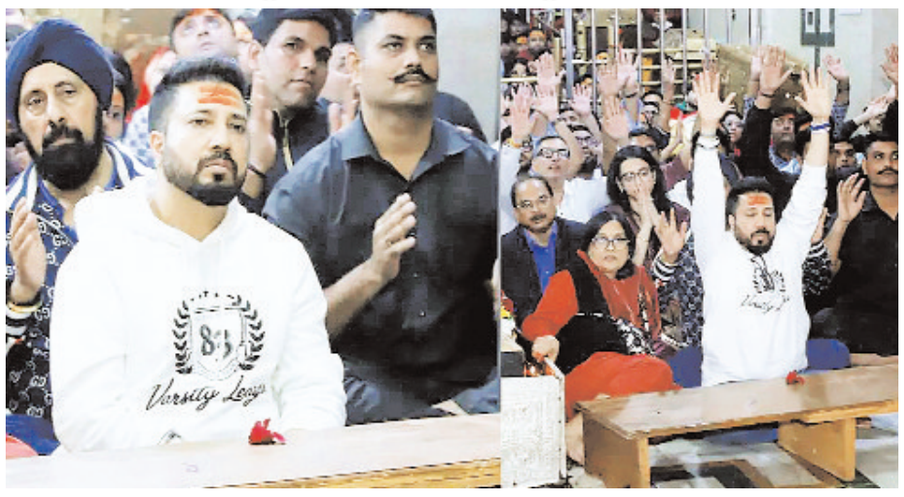

मीका सिंह इंदौर में आयोजित एक कार्यक्रम में भाग लेने आए थे। इसी दौरान वे उज्जैन पहुंचकर श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन और पूजन-अर्चन के लिए पहुंचे। मंदिर पहुंचने पर महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने मीका सिंह का आत्मीय स्वागत एवं सत्कार किया। इस अवसर पर उन्हें बाबा महाकाल का प्रसाद और स्मृति चिह्न भेंट किया गया। दर्शन के पश्चात मीडिया से रूबरू होते हुए मीका सिंह ने अपनी खुशी जाहिर की।

उन्होंने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि भगवान महाकाल ने उन्हें अपने दर्शन के लिए बुलाया। जब भी वे इंदौर आते हैं, उज्जैन आकर महाकाल मंदिर में दर्शन अवश्य करते हैं। मीका सिंह ने भस्म आरती के अनुभव को अद्वितीय और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर देने वाला बताया। गायक ने मंदिर परिसर की साफ-सफाई और भव्य माहौल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां का वातावरण बहुत ही शांतिपूर्ण और प्यारा है। उन्होंने आगे कहा कि वे अपने परिवार और प्रशंसकों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना करने आए हैं ।

श्री महाकालेश्वर मंदिर में परंपरागत विधि-विधान के साथ भस्म आरती संपन्न हुई। मंदिर के कपाट खुलते ही भगवान महाकाल का जल से अभिषेक किया गया। इसके बाद दूध, दही, घी, शक्कर और शहद से बने पंचामृत से पूजन कर कपूर आरती की गई। जटाधारी भगवान महाकाल को रजत चंद्र-त्रिशूल मुकुट धारण कराया गया तथा रुद्राक्ष की माला और सुगंधित पुष्पों से भव्य श्रृंगार किया गया। भगवान को भांग, चंदन, ड्रायफ्रूट और भस्म अर्पित की गई। शेषनाग को रजत मुकुट, रजत मुंडमाल, रुद्राक्ष की माला और पुष्प मालाओं से सजाया गया। इसके साथ ही फल और मिष्ठान का भोग लगाया गया।

आकांक्षा शर्मा कुटुम्बले पहुंचीं अफ्रीका और यूरोप के शिखर पर

यह उपलब्धि हासिल करने वालीं इंदौर की प्रथम महिला बनीं

इंदौर

इंदौर की पर्वतारोही आकांक्षा शर्मा कुटुम्बले ने 19,341 फीट की ऊंचाई पर स्थित अफ्रीका की सबसे ऊंची चोटी माउंट किलिमंजारो पर सफलतापूर्वक चढ़ाई कर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इससे पहले उन्होंने पिछले वर्ष सितंबर माह में यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एलबुस पर भी चढ़ाई की थी। ये दोनों चोटियां विश्व की प्रतिष्ठित 'सेवन समिट्स' में शामिल हैं। पेशे से सिविल इंजीनियर आकांक्षा दोनों शिखरों पर चढ़ाई करने वाली इंदौर की संभवत: पहली पर्वतारोही हैं। साथ ही वे ऐसा करने वाली मध्य भारत की चुनिंदा पर्वतारोहियों में भी शामिल हो गई हैं। माउंट किलिमंजारो को विश्व का सबसे ऊंचा 'फ्री-स्टैंडिंग माउंटेन' माना जाता है। अर्थात बेस से शिखर तक की ऊँचाई के लिहाज से यह दुनिया की किसी भी अन्य पर्वत चोटी से अधिक है। भूमध्य रेखा के समीप स्थित होने के कारण इसकी भौगोलिक परिस्थितियाँ अन्य पर्वत श्रृंखलाओं से भिन्न हैं, जिसके चलते शिखर पर ऑक्सीजन की मात्रा कम हो जाती है। आकांक्षा को भी चढ़ाई के दौरान ऑक्सीजन की कमी का सामना करना पड़ा। उन्हें साँस लेने में कठिनाई हो रही थी और एक-एक कदम बढ़ाना भी चुनौतीपूर्ण था, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और विषम परिस्थितियों में भी चढ़ाई पूरी की। चढ़ाई के दौरान तापमान -12 डिग्री था और हवा 20 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चल रही थी। चोटी पर पहुंचने के बाद आकांक्षा ने कश्मीरी कानी साड़ी पहनकर अपनी सांस्कृतिक पहचान को दर्शाया। उन्होंने बताया कि यह परिधान उन्हें अपने भारतीय होने का एहसास कराता है और कश्मीर से उनका विशेष लगाव है।

क्या है 'सेवन समिट्स'

विश्व के सातों महाद्वीपों की सबसे ऊँची चोटियों को 'सेवन समिट्स' कहा जाता है। पर्वतारोहण की दुनिया में इन सभी चोटियों पर चढ़ाई करना एक बड़ी उपलब्धि माना जाता है। इसमें यूरोप की माउंट एलबुस और अफ्रीका की माउंट किलिमंजारो भी शामिल हैं।

कैसे की तैयारी

आकांक्षा ने बताया कि माउंट किलिमंजारो की तैयारी के लिए उन्होंने नियमित रूप से रनिंग की, जिम में स्ट्रेंथ ट्रेनिंग की और सीढ़ियों पर चढ़ने-उतरने का अभ्यास किया। वे पाँचवीं मंजिल पर रहती हैं और बिल्डिंग के बाहर की सीढ़ियों पर अभ्यास करने से उन्हें विशेष लाभ मिला। इसके अलावा उन्होंने प्राणायाम का अभ्यास भी किया, जिससे फेफड़ों की क्षमता बढ़ाने में मदद मिली।

पर्वतारोहण मेरा पैशन

पेशे से सिविल इंजीनियर आकांक्षा शर्मा के लिए पर्वतारोहण एक जुनून है। उन्होंने जवाहर इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग से माउंटेनियरिंग के बेसिक और एडवांस कोर्स के साथ-साथ स्कीइंग का बेसिक कोर्स भी किया है।

विद्यार्थियों को 'जिम्मेदार डिजिटल नागरिक' बनने पर जोर दिया

हिरदाराम नगर

नवनिध स्कूल में विद्यार्थियों को सुरक्षित डिजिटल भविष्य के प्रति सचेत करने के लिए तीन दिवसीय साइबर सुरक्षा जागरुकता सत्र का आयोजन किया गया, जो डीएससीआई नेस्कॉम टेक्नोलॉजी सेंटर के सहयोग से आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता सुरक्षा विशेषज्ञ लोकेश पाटिल थे।

विद्यार्थियों को 'जिम्मेदार डिजिटल नागरिक' बनने की प्रेरणा देते हुए मजबूत पासवर्ड प्रबंधन, एंटीवायरस अपडेट और सोशल मीडिया पर निजी जानकारी साझा न करने जैसे महत्वपूर्ण सुरक्षा सुझाव दिए। कार्यक्रम में डीएससीआई टीम के सदस्य गौरव गुप्ता, कपिल मालवीय एवं विदिका तोमर ने भी साइबर बुलिंग और फिशिंग जैसे खतरों से बचाव के व्यावहारिक तरीके साझा किए। सत्र के अंतिम दिन आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से साइबर जागरूकता का संदेश दिया। इस प्रतियोगिता में कक्षा सातवीं 'स' की गुंजन दलवानी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 10,000 रुपये की नकद राशि व मेडल जीता। कनिष्का जैन को द्वितीय (7,500 रुपये) और प्राची लालवानी को तृतीय स्थान (5,000 रुपये) प्राप्त हुआ, जबकि प्रियल जैन और कांची आहूजा को सांत्वना पुरस्कार (2,500 रुपये प्रत्येक) से सम्मानित किया गया।

संस्था के सचिव श्री घनश्याम बूलचंदानी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रतियोगिता में सहभागिता को सीखने की प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा बताया। उप प्राचार्या सुश्री रेखा केवलानी ने डिजिटल युग में इस प्रकार के सत्रों की आवश्यकता पर जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन और आभार प्रदर्शन वीना चावला द्वारा किया गया।

शादी समारोह में हर्ष फायर कर रहे वीडियो सोशल मीडिया पर वॉयरल

भोपाल। कोलार इलाके में शादी समारोह का तीन से चार वीडियो सोशल मीडिया पर वॉयरल हुए हैं। जिसमें वर पक्ष के लोग हर्ष फायर करते हुए नजर आ हैं। आधा दर्जन खुलेआम गोलियां चलाते हुए नजर आ रहे हैं। हालांकि थाना प्रभारी का कहना है कि उन्होंने मैरिज गार्डन संचालकों से लिखित में लिया है कि उनके गार्डन में हर्ष फायर जैसे की कोई घटना नहीं हुई है। जानकारी के मुताबिक मोहित राजपूत रायसेन जिले के मंडीदीप का रहने वाला है।

एम्स सर्जरी विभाग का शोध अमेरिका में प्रकाशित

भोपाल। एम्स भोपाल के बर्न्स एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग की शोध टीम का अध्ययन अमेरिका के प्रतिष्ठित जर्नल एनल्स ऑफ प्लास्टिक सर्जरी में प्रकाशित हुआ। विभाग के प्रमुख प्रो. मनाल मोहम्मद खान ने कहा कि ऐसे अध्ययन, जटिल विद्युत जलन मामलों में बेहतर परिणाम और अंग की कार्यक्षमता बनाए रखने की दिशा में मार्गदर्शन प्रदान करता है। शोध में संस्थान में उपचारित 23 मरीजों पर माइक्रोसर्जिकल फ्री-फ्लैप पुनर्निर्माण के परिणामों का मूल्यांकन किया गया। बता दें कि इस अध्ययन का नेतृत्व डॉ. गौरव चतुर्वेदी ने किया। इसमें डॉ. अभिनव सिंह, डॉ. वेदप्रकाश राव चेरुवु और डॉ. मनाल मोहम्मद खान भी शामिल है।

पुलिस में आरक्षक भर्ती के लिए 23 से फिजिकल टेस्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में पुलिस में आरक्षक भर्ती के लिए 23 फरवरी से फिजिकल टेस्ट शुरू होने जा रहा है। प्रदेश के 10 जिलों में ये टेस्ट होगा। इनमें भोपाल के लाल परेड मैदान समेत इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, रीवा, बालाघाट, रतलाम, मुरैना जिले शामिल हैं, जहां फिजिकल टेस्ट परीक्षा होनी है। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल ने आरक्षक के कुल 7500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया शुरु करने वाली है। इसके लिए 30 अक्टूबर से 15 दिसंबर 2025 तक ऑनलाइन परीक्षा हो चुकी, जिसका परिणाम 25 जनवरी को जारी कर दिया गया था।

पैदल चलकर देंगे ज्ञापन

भोपाल। व्यक्तिगत ईर्ष्या से निकाले गये नरसिंहपुर जिले में पदस्थ एमपी वेयर हाऊसिंग कार्पोरेशन के कर्मचारी पैदल जबलपुर पहुंचकर 13 फरवरी को ज्ञापन सौंपेंगे। एमपी वेयरहाउसिंग कॉरपोरेशन कर्मचारी संघ के अध्यक्ष अनिल बाजपेई ने बताया की जबलपुर संभाग में 2021 में कार्यरत 260 कर्मचारियों की सेवाएं बिना किसी सूचना के प्राइवेट कंपनी को सौंप दी गई। न्यायालीन हस्तक्षेप से इनमें 232 की सेवाएं तो यथावत रखी गई, लेकिन व्यक्तिगत ईर्ष्या से 20 कर्मचारियों को बाहर निकाल दिया गया।

महाशिवरात्रि पर सुप्रसिद्ध संगीतकार प्रीतम करेंगे महादेव की आराधना

उज्जैन में 12 फरवरी से आरंभ होगा 139 दिवसीय विक्रमोत्सव

भोपाल

महाकाल की नगरी में 12 फरवरी से 139 दिवसीय विक्रमोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का शुभारंभ महाशिवरात्रि 15 फरवरी को सुप्रसिद्ध संगीतकार प्रीतम की महादेव आराधना के साथ होगा। 30 जून तक दो चरणों में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों के कई अनूठे कार्यक्रम किये जाएंगे। भारत और देश तथा दुनिया में आयोजित होने वाला सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों का एक अनूठा उत्सव होगा।

संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव शिवशेखर शुक्ला ने बताया कि 139 दिवसीय इस महोत्सव में 41 से अधिक बहुआयामी गतिविधियाँ संचालित की जाएंगी। पौराणिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक, जनजातीय विषयों पर केन्द्रित प्रदर्शनियों के साथ विक्रम नाट्य समारोह में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की प्रस्तुतियों का मंचन भी होगा। इस दौरान महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ युग निर्माता गणनायक विक्रमादित्य की स्मृति को सुरक्षित रखने तथा उनके शौर्य, औदार्य, न्यायप्रियता तथा धर्म एवं प्रजावत्सल गुणों को समाज में पुन:स्थापित करने की दृष्टि से 1 करोड़ 1 लाख रूपये का अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी प्रदान करेगा। यह देश का सबसे बड़ा सम्मान होगा। इसके अलावा सम्राट विक्रमादित्य के नाम से 21 लाख रूपये का एक राष्ट्रीय सम्मान एवं 5-5 लाख रुपये राशि के तीन राज्य स्तरीय सम्मान भी दिये जाएंगे। इस अवसर पर संस्कृति संचालक एनपी नामदेव, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ के निदेशक श्रीराम तिवारी, मैपकास्ट के डॉ. अनिल कोठारी एवं दत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान के निदेशक डॉ. मुकेश मिश्रा उपस्थित थे।आयोजन में रंग भरेंगे यह आयाम - देव महादेव पर्व के तहत प्रदेश के 60 से अधिक प्रमुख शिव मंदिरों में मेलों का आयोजन महाशिवरात्रि के अवसर पर किया जाएगा। भगवान शिव की कलापरक और सांस्कृतिक आराधना के अंतर्गत मंदिरों की साजसज्जा, साफ-सफाई एवं सांस्कृतिक गतिविधियाँ इसमें प्रमुख रूप से शामिल होंगी।

आयोजन के यह भी रहेंगे आकर्षण

■शिव पुराण: 13 से 17 मार्च तक शिवपुराण के अंतर्गत भारतीय ज्ञान परंपरा के अठारह पुराणों में से एक शिव पुराण आख्यान पर आधरित चित्र प्रदर्शनी, लोक नृत्य तथा नृत्य नाटिकाओं का आयोजन होगा।

■अंतरराष्ट्रीय पौराणिक फिल्म महोत्सव: 13 से 17 मार्च 2026 के बीच होगा। इसमें 25 से अधिक देश शामिल होंगे। इस फिल्म समारोह में महाभारत पर केन्द्रित फिल्मों का भी प्रदर्शन किया जायेगा।

■महाकाल वनमेला: 12 से 16 फरवरी के दौरान उज्जैन के दशहरा मैदान में आयोजित किया जा रहा है। जिसमें हर्बल उत्पादों एवं पारंपरिक हर्बल ज्ञान के विषय में प्रदर्शनी, उत्पादकों का प्रदर्शन किया जायेगा।

■पुतुल समारोह: 25 से 28 फरवरी के बीच 6 विभिन्न शैलियों में कठपुतलियों के माध्यम से सम्राट विक्रमादित्य, भीम और बकासुर, आठवां, द आर्चर स्टूड अलोन, दुर्योधन वधम् व पद्मगाथा की प्रस्तुतियाँ होगी।

भारतीय बोलियों में कवि सम्मेलनों का आयोजन

1 मार्च को लोकरंजन के अंतर्गत जनजातीय भाषा एवं बोलियों का अखिल भारतीय कवि सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। जिसमें देश भर के विभिन्न बोलियों एवं भाषा के लगभग 9 कवि अपनी रचनाओं का पाठ करेंगे। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्व संध्या पर नारी शक्ति अखिल भारतीय कवयित्री सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। जिसमें देश-प्रदेश की 9 महिला कवयित्रियों का कविता पाठ होगा। इसके साथ ही 14 मार्च को देशभर के 10 सुप्रसिद्ध एवं जाने-माने कवियों का कविता पाठ होगा। जिसका संचालन अंतरराष्ट्रीय कवि दिनेश दिग्गज करेंगे।

लगाई जाएंगी प्रदर्शनियां

महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ परिसर एवं कालिदास संस्कृत अकादमी परिसर में पौराणिक, आध्यात्मिक, ऐतिहासिक, जनजातीय विषयों पर 7 विभिन्न प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाएगा। इन प्रदर्शनियों को महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ, जनजातीय लोक कला एवं बोली विकास अकादमी द्वारा तैयार किया गया है।

पर्ल म्यूजिकल नाइट विद स्पेशल टैलेंट्स

रविन्द्र भवन में सजी संगीत की महफिल, गूंजे फिल्मी तराने

भोपाल

संगीत, संवेदना और समावेशिता से सजी एक यादगार संगीतमय संध्या का आयोजन लायंस क्लब भोपाल पर्ल द्वारा संस्कृति विभाग के सहयोग से एवं एम्पल ड्रीम्स एजुकेशन सोसाइटी के संयुक्त तत्वावधान में रविन्द्र भवन में किया गया। 'पर्ल म्यूजिकल नाइट विद स्पेशल टैलेंट्स' शीर्षक से आयोजित इस कार्यक्रम ने प्रतिभा और प्रेरणा का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। यह विशेष संगीतमय कार्यक्रम प्रतिभाशाली दृष्टिबाधित एवं ऑटिस्टिक युवाओं की अद्भुत गायन प्रतिभा को समर्पित रहा। मंच पर रुचिका पांडे ने 'जीवन के दिन छोटे सही', गीतिका लोहाट ने 'यारा सिली सिली', तान्या शर्मा ने 'मेघा छाए आधी रात', मनोज तोमर ने 'मेरे दर्द से दिल आबाद रहा' तथा हुसैन ने 'मैं निकला गड्डी ले के' प्रस्तुत कर दर्शकों की भरपूर सराहना बटोरी। उनकी मधुर प्रस्तुतियों ने श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में लायंस क्लब भोपाल पर्ल के सदस्यों ने भी अपने सुरों का जादू बिखेरा। डॉ. अल्पना वर्मा ने 'ये दिल और उनकी निगाहों के साए', विनोद श्रीवास्तव एवं लक्ष्मी जी ने 'दिल ढूंढता है', अमर खरे एवं अर्चना खरे ने 'मिलते ही आंखें दिल हुआ , डॉ. एस.के. श्रीवास्तव एवं सविता जी ने 'ये रातें ये मौसम नदी का किनारा', अंजना जी ने 'सैंया दिल में आना रे' की सुंदर प्रस्तुति दी। वहीं संजय चौरसिया ने 'यम्मा यम्मा' को दो आवाजों में प्रस्तुत कर ऐसा समां बांधा कि पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा।

भोपाल के कलाकारों ने बांधा समा

संगीतमय संध्या को और भी आकर्षक बनाने के लिए भोपाल के प्रसिद्ध गिटारिस्ट संजीव झा, केदार सिंह चौहान, विशाल जोशी एवं दीप चौधरी ने बेहतरीन संगत दी। साउंड इंजीनियर के रूप में शोएब खान ने तकनीकी पक्ष को संभाला, जबकि बद्र वस्ती ने प्रभावी मंच संचालन कर कार्यक्रम को जीवंत बनाए रखा। कार्यक्रम की अध्यक्षता लायन ईजी संजय वर्मा ने की। आयोजन को सफल बनाने में विनोद श्रीवास्तव, डॉ. अल्पना वर्मा, डॉ. एस.के. श्रीवास्तव सहित लायंस क्लब भोपाल पर्ल के सभी सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

लड़कियों की शिक्षा पर निवेश ही सशक्त समाज की नींव : प्राचार्य

करैरा। लड़कियों की शादी में अनावश्यक खर्च करने के बजाय उनकी शिक्षा, कौशल और आत्मनिर्भरता पर ध्यान देना आज की सबसे बड़ी सामाजिक आवश्यकता है। यह विचार शासकीय स्नातक महाविद्यालय करैरा के प्राचार्य डॉ. महेंद्र कुमार ने राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) द्वारा गोद ग्राम श्योपुरा में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन अवसर पर व्यक्त किए। डॉ. महेंद्र कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि वर्तमान सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों में लड़कियों का केवल शिक्षित होना ही पर्याप्त नहीं। बल्कि उनका आत्मनिर्भर बनना भी अत्यंत आवश्यक है। यदि समाज को वास्तविक प्रगति की दिशा में ले जाना है, तो परंपरागत दिखावे से बाहर निकलकर बेटियों की शिक्षा और स्वावलंबन को प्राथमिकता देनी होगी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ पत्रकार युगल किशोर शर्मा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रह्मचर्य आश्रम से ही जीवन की नींव मजबूत होती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अध्ययन काल का सदुपयोग करने का आह्वान करते हुए कहा कि जैसे हवा का झोंका दीपक को बुझा देता है, लेकिन वही हवा जंगल की आग को और प्रज्वलित कर देती है-समाज उसी का साथ देता है जो स्वयं को सशक्त बनाता है। मुख्य अतिथि अशोक दुबे ने मोबाइल फोन से निकलने वाले रेडिएशन एवं उसके दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को इसके सीमित और संतुलित उपयोग की सलाह दी।कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन से हुई।

विकसित भारत का सपना साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा केन्द्रीय बजट

श्योपुर

केंद्रीय बजट 2026-27 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित व आत्मनिर्भर भारत के विजन का सशक्त दस्तावेज है। गरीब, युवा, नारीशक्ति, अन्नदाता किसानों के साथ मध्यम वर्ग और उद्यमियों के कल्याण व सशक्तिकरण के प्रावधान बजट में किए गए हैं। यह बात जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला ने शनिवार को भाजपा जिला कार्यालय श्योपुर में केन्द्रीय बजट को लेकर आयोजित पत्रकार वार्ता कही।

प्रभारी मंत्री श्री शुक्ला ने कहा कि यह बजट सर्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी बजट रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की भावना को दर्शाता है जो मध्यप्रदेश सहित देश को 2047 के विकसित भारत की ओर मजबूती से ले जाएगा। बजट में सात हाई-स्पीड कॉरिडोर्स निर्माण और 12.2 लाख करोड़ के कैपिटल एक्सपेंडिचर का प्रावधान किया गया है। यह बजट वर्ष 2047 के विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करने में मील का पत्थर साबित होगा। बजट में स्वास्थ्य, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, युवाओं को रोजगार को भी ध्यान में रखा गया है। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष शशांक भूषण, पूर्व जिलाध्यक्ष महावीर सिंह सिसोदिया, पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय, कैलाशनारायण गुप्ता, जिला पंचायत अध्यक्ष गुड्डीबाई, मीडिया प्रभारी नरेश धाकड़ सहित अन्य भाजपा नेता उपस्थित रहे।

समानता व मानवता की प्रेरणा देता है रविदास जी का जीवन

गोहद

सामाजिक समरसता को मजबूत करने के उद्देश्य से शनिवार को देव वाटिका गोहद में सामाजिक समरसता महोत्सव एवं संत रविदास अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों ने सहभागिता करते हुए सामाजिक एकता का संदेश दिया। समारोह में संत रविदास जी के विचारों और उनके द्वारा दिए गए सामाजिक समरसता के संदेशों पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर समाज सेवा, शिक्षा, संस्कृति एवं सामाजिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों को संत रविदास अलंकरण से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम से पहले रविदास आश्रम गोहद से विशाल रैली निकाली गई

जो अटल चौक, गंज बाजार, किला गेट, सदर बाजार, इटायली गेट होते हुए देव वाटिका पहुची। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि संत रविदास जी का जीवन समानता, प्रेम और मानवता की प्रेरणा देता है। उनके विचार आज के समय में सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। समारोह के अंत में सामाजिक एकता और समरसता को बनाए रखने का संकल्प लिया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में असीम अरुण, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष लालसिंह आर्य, हरीशचंद्र शर्मा, बीके रुक्मणी सहित संतगण मौजूद रहे।

बीमारियों से ग्रस्त व्यक्ति जीवन के सुखों का पूर्ण आनंद नहीं ले सकता

भिण्ड

शासकीय कन्या महाविद्यालय भिण्ड द्वारा गोद ग्राम मंगदपुरा में आयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर को मुख्य अतिथि डॉ. डीके शर्मा एवं राधेगोपाल यादव ने छात्राओं को स्वास्थ्य व आत्मरक्षा विषय पर मार्गदर्शन दिया।

डॉ. डीके शर्मा ने अपने व्याख्यान में छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही वास्तविक रूप से सुखी होता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई व्यक्ति धनवान होते हुए भी बीमारियों से ग्रस्त है तो वह जीवन के सुखों का पूर्ण आनंद नहीं ले सकता। उन्होंने छात्राओं से फास्ट फूड के सेवन से बचने तथा मोटे अनाज आधारित संतुलित भोजन को दैनिक आहार में सम्मिलित करने का आग्रह किया। खेल प्रशिक्षक राधेगोपाल यादव ने छात्राओं को आत्मरक्षा से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने स्वयं की सुरक्षा के लिए विभिन्न व्यावहारिक उपायों का प्रदर्शन किया। शिविर में प्रातःकाल छात्राओं ने गांव में प्रभात फेरी निकाली और डिजिटल पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया। जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। अतिथियों का स्वागत सुधीर कुमार जोशी ने किया और छात्राओं ने बैज लगाकर उनका अभिनंदन किया। अंत में कार्यक्रम अधिकारी प्रो. दीक्षा

धंधेरा में खेल मैदान से हटेगा अतिक्रमण

शिवपुरी

जिले की रन्नौद तहसील के धंधेरा गांव में उस समय उत्साह का माहौल बन गया, जब राजस्व अमला अचानक खेल मैदान की शासकीय भूमि का सीमांकन करने पहुंचा। खेल मैदान से अतिक्रमण हटने की उम्मीद से गांव के युवाओं ने खुशी जताते हुए 'जिलाधीश जिंदाबाद' के नारे लगाए।

धंधेरा गांव के सर्वे नंबर 7/1 की लगभग 7 बीघा से अधिक शासकीय भूमि पर रामप्रसाद धाकड़, ईश्वर लाल, उधम सिंह जाटव, वीर सिंह धाकड़ और भागचंद्र जाटव द्वारा कब्जा कर लिया गया था। इस भूमि पर फसल बो दी गई थी, जबकि यह जमीन वर्षों से गांव के युवाओं द्वारा खेल मैदान के रूप में उपयोग की जा रही थी। अतिक्रमण के कारण युवाओं के पास खेलकूद और शारीरिक प्रशिक्षण के लिए कोई अन्य स्थान नहीं बचा था। इस समस्या को लेकर गांव के युवाओं ने एकजुट होकर पिछली जनसुनवाई में जिला मुख्यालय पहुंचकर जिलाधीश रविन्द्र कुमार चौधरी को आवेदन

सौंपा था और शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने की मांग की थी।

जिलाधीश के निर्देशों के पालन में शुक्रवार को राजस्व अमला मौके पर पहुंचा और शासकीय भूमि का सीमांकन किया। हालांकि मौके पर फसल खड़ी होने के कारण ग्रामीणों की सहमति से इसे तत्काल नहीं हटाया गया। फसल कटने के बाद इस भूमि को पुन: खेल मैदान के रूप में उपयोग में लाया जाएगा। जिलाधीश द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई से उत्साहित युवाओं ने प्रशासन का आभार व्यक्त किया। साथ ही युवाओं ने तहसीलदार रन्नौद को भी एक आवेदन सौंपा है, जिसमें मांग की गई है कि इस शासकीय भूमि को विधिवत रूप से खेल मैदान के रूप में स्वीकृत किया जाए, ताकि भविष्य में दोबारा कब्जा न हो सके और गांव के युवा नियमित रूप से खेल गतिविधियों का लाभ उठा सकें।

सिंघवारी हाईस्कूल में चलाया गया सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

मालनपुर

आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड द्वारा सिंघवारी गांव के सरकारी हाईस्कूल में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस दौरान शिक्षकों और विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में पैदल यात्रियों की सुरक्षा विषय पर भी विस्तार से समझाया गया। यह भी बताया गया कि थोड़ी सी सावधानी अपनाकर गंभीर दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। सभी से सड़क सुरक्षा को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की गई। कार्यक्रम में शिक्षक एवं विद्यार्थियों के अलावा ग्रमीणजन भी उपस्थित रहे।

21 फरवरी को दंदरौआ धाम में होगा प्रकृति सम्मेलन

भिण्ड। स्वस्थ, समृद्ध, खुशहाल भारत मिशन एवं भारतीय किसान संघ के संयुक्त तत्वावधान में 21 फरवरी को भिण्ड जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल दंदरौआ धाम में प्रकृति सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें अंतरराष्ट्रीय आयुर्वेदाचार्य डॉ. प्रकाश टाटा एवं आचार्य मनीष विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। सम्मेलन का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री राकेश शुक्ला करेंगे। इस अवसर पर मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय मिश्रा एवं भारतीय किसान संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी भी शामिल होंगे। यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक नमोनारायण दीक्षित ने दी। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी कुलदीप भदौरिया, रमेशबाबू चौधरी, लक्ष्मण सिंह नरवरिया, हाकिम सिंह यादव, अवधेश सिंह कुशवाहा, देवेश पचौरी ने भिण्ड जिले के किसानों से सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

भाजपा गोहद नगर मंडल की नई कार्यकारिणी घोषित

भिण्ड। भाजपा के संभागीय संगठन प्रभारी अभय यादव एवं जिलाध्यक्ष देवेन्द्र सिंह नरवरिया की सहमति से गोहद नगर मंडल अध्यक्ष विवेक जैन ने अपनी मंडल कार्यकारिणी घोषित की है। जिसमें उमा राठौर, राहुल खुरासिया, दिलीप सक्सेना, रामप्रसाद कुशवाह, राधेश्याम गौड़, धर्मेन्द्र कंसाना को उपाध्यक्ष, जितेन्द्र भटेले, प्रमोद कामत को महामंत्री, संतोष प्रजापति, दिनेश श्रीवास, सचिन कोरकू, रविन्द्र सिंह पाल, बीरू खटीक, कुसुम माहौर को मंत्री, मदन श्रीवास को कोषाध्यक्ष, कपिल गुप्ता को सह कोषाध्यक्ष, धर्मसिंह माहौर को कार्यालय मंत्री, श्याम वाजपेयी को मीडिया प्रभारी, रूबी पांडेय को सह मीडिया प्रभारी, उमर खान को सोशल मीडिया प्रभारी, रामनिवास रजक को आईटी सेल प्रभारी एवं आकाश सोनी को प्रचार मंत्री का दायित्व दिया गया है।

वेंटिलेटर पर पहुंच चुकी पुलिस व्यवस्था में सुधार की जरूरत

श्योपुर

विगत एक माह में जिले में हुई चोरी की घटनाओं को लेकर भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष संजय मंगल ने पुलिस व्यवस्था को वेंटिलेटर पर बताते हुए सुधार करने की आवश्यकता जताई है। उन्होंने शनिवार को श्योपुर प्रवास पर आए जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला को इस संबंध में एक ज्ञापन दिया है।

प्रभारी मंत्री को दिए गए ज्ञापन के माध्यम से नगर मंडल अध्यक्ष संयज मंगल ने बताया कि विगत 35 दिनों में श्योपुर जिले में चोरी की सात बड़ी घटनाएं हुई हैं। जिनमें से एक का भी खुलासा नहीं हुआ है। जिससे पुलिस व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। जिले की स्थिति यह है कि यहां आमजन तो चोरों के निशाने पर है हीं लेकिन चोरों द्वारा पुलिस लाइन में टीआई सहित अन्य पुलिस कर्मियों के घरों को भी निशाना बनाया गया है। ऐसे में अमजन के बीच यह सवाल उठ रहे हैं कि जब पुलिस कर्मियों के घर ही सुरक्षित नहीं हैं तो आमजन की सुरक्षा पुलिस द्वारा कैसे की जाएगी।

वृद्धावस्था सम्मानित जीवन अभियान का किया शुभारंभ

श्योपुर

सामाजिक न्याय विभाग द्वारा ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की शाखा विजयपुर के माध्यम से गौरवपूर्ण वृद्धावस्था सम्मानित जीवन अभियान की शुरुआत की गई है। इसके तहत विजयपुर एवं वीरपुर क्षेत्र में सात फरवरी से सात मार्च तक वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान एवं गरिमा की रक्षा के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

उप संचालक सामाजिक न्याय शशिकिरण इक्का ने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के साथ देशव्यापी एमओयू साइन

किया गया है। जिसके क्रम में विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इसी क्रम में विजयपुर एवं वीरपुर क्षेत्र में वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान के लिए मूल्यनिष्ठ प्रदर्शनी, राजयोग, मेडिटेशन सत्र तथा मानसिक व आध्यात्मिक शांति के लिए कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। इस अवसर पर गांधी चौक से बस स्टैण्ड विजयपुर तक एक चल यात्रा निकाली गई। जिसमें युवाओं को वृद्धजनों का सम्मान करने का संदेश दिया।

विहिप के अखिल भारतीय पदाधिकारी प्रवास पर आए

शिवपुरी

शुक्रवार को विश्व हिन्दू परिषद के अखिल भारतीय पदाधिकारी अरुण नेटके का शिवपुरी प्रवास रहा। इस दौरान उन्होंने विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से भेंट की तथा मंदिरों के पुजारी, पुरोहित एवं महंतों की बैठक लेकर संगठनात्मक विषयों पर चर्चा की।

जानकारी के अनुसार विश्व हिन्दू परिषद के केंद्रीय सह-मंत्री एवं अखिल भारतीय मंदिर एवं अर्चक-पुरोहित संपर्क प्रमुख अरुण नेटके ने अपने प्रवास की

शुरुआत खेड़ापति हनुमान मंदिर में दर्शन से की। यहां उन्होंने संत नीलमणि महाराज से शिवपुरी में प्रस्तावित भव्य एवं दिव्य आयोजन को लेकर विस्तृत चर्चा की तथा कार्यक्रम में संगठन की भूमिका पर विचार-विमर्श किया।

इसके पश्चात श्री नेटके विश्व हिन्दू परिषद के विभाग कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने पौधारोपण किया एवं शहर के मंदिरों के पुजारी-पुरोहितों की बैठक ली। बैठक में उन्होंने कहा कि मंदिरों को केवल पूजा स्थल ही नहीं, बल्कि सेवा, चिकित्सा, धर्मप्रसार, शास्त्रज्ञान एवं साधना के केंद्र के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने देशभर में विश्व हिन्दू परिषद द्वारा संचालित विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी देते हुए बताया कि इनसे समाज एवं मंदिरों को व्यापक लाभ मिल रहा है। बैठक में प्रांत धर्मप्रसार प्रमुख भंवर सिंह चौहान, विभाग संगठन मंत्री राजा सिसोदिया, विभाग मंत्री नरेश ओझा, जिला संयोजक सुनील राठौर, जिला सह-संयोजक निरपेंद्र गोस्वामी, जिला मंदिर अर्चक-पुरोहित संपर्क प्रमुख अभिराम दास महाराज, शिवपुरी नगर अध्यक्ष प्रकाश सोनी, जिला अखाड़ा प्रमुख रमेश कुशवाह, जिला सह महाविद्यालय प्रमुख प्रिंस प्रजापति, जिला सह सुरक्षा प्रमुख संदीप गोस्वामी, जिला सामाजिक समरसता प्रमुख सचिन मांझी, जिला सह गो-रक्षा प्रमुख यश राठौर सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षाओं के लिए बनाए 50 परीक्षा केन्द्र, 46 संवेदनशील

भिण्ड

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा आयोजित 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं आगामी 10 फरवरी से शुरू होने जा रही हैं। जिले में परीक्षाओं को नकल मुक्त और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए 50 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। जिनमें 46 संवेदनशील हैं।

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल ने भिण्ड जिले के पांच परीक्षा केन्द्रों को विशेष मॉनिटरिंग के लिए चयनित किया है। इन केन्द्रों पर लगाए गए सीसीटीवी कैमरों की निगरानी सीधे भोपाल स्थित बोर्ड कार्यालय से की जाएगी। परीक्षा की तैयारियां युद्धस्तर पर की जा रही हैं। जिले के सभी परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा सामग्री भेजने का कार्य जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा पूरा किया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी आरडी मित्तल ने बताया कि बोर्ड परीक्षाओं को लेकर जिले में सख्त व्यवस्था लागू की गई है। परीक्षार्थियों को निर्देश दिए गए हैं कि सुबह 8.30 बजे के बाद किसी भी छात्र को परीक्षा केन्द्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। देर से पहुंचने वाले परीक्षार्थी परीक्षा से वंचित रहेंगे। उन्होंने बताया कि जिले में कुल 50 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। जिनमें से 46 को संवेदनशील श्रेणी में रखा गया है। इन केन्द्रों पर पुलिस बल सहित अन्य सुरक्षा व्यवस्थाएं तैनात रहेंगी। परीक्षा केन्द्रों के आसपास अनावश्यक भीड़ को रोकने के लिए निर्धारित दूरी के बाद प्रवेश निषेध रहेगा। परीक्षा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। नकल पर अंकुश लगाने के लिए 100 मीटर के दायरे में मोबाइल सिग्नल जाम करने के लिए जैमर भी लगाए जाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि जिले में 12वीं बोर्ड परीक्षा में कुल 14,421 परीक्षार्थी शामिल होंगे जबकि 10वीं बोर्ड परीक्षा में 19,342 छात्र-छात्राएं परीक्षा देंगे।

इन केन्द्रों की भोपाल से होगी निगरानी

जिलाधीश किरोड़ीलाल मीणा द्वारा परीक्षा की तैयारियों की हर बिंदु पर बारीकी से निगरानी की जा रही है। जिलाधीश स्वयं एक-एक परीक्षा केन्द्रों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे हैं और आवश्यक दिशा-निर्देश दे रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा प्रदेश भर में प्रत्येक जिले के पांच परीक्षा केन्द्रों को चिन्हित किया गया है। भिण्ड जिले में फूप का चंद्रशेखर हायर सेकेण्डरी स्कूल, भिण्ड शहर का सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, जनता स्कूल और गोरमी क्षेत्र का टच स्टोन स्कूल सहित चयनित केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से भोपाल से सीधी निगरानी की जाएगी। इसके अलावा, औचक निरीक्षण के लिए उड़नदस्तों का गठन किया गया है। जिनमें शिक्षा विभाग के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल रहेंगे।

ईमानदारी और आत्म सम्मान दो अनमोल हीरे मोती

किशन सनमुखदास भावनानीं

सृष्टि रचनाकर्ता ने सृष्टि में मानवीय जीव की रचना कर उसके मस्तिष्क में बौद्धिक क्षमता रूपी खान का ऐसा अणखुट खजाना भर दिया है जिसमें अन्य 84 लाख़ योनियों को अलग रखा और यह जीव मानवीय योनि में जन्म लेकर अपने परिवार मोहल्ले समाज शहर के खूबसूरत माहौल में अपना बचपन बिताता है तो उसे हमारे बड़े बुजुर्ग ईश्वर अल्लाह का रूप मानतेहैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं और यह सर्वविदित भी है कि बच्चे झूठ, फरेब, बेईमानी इत्यादि अवगुणों से दूर स्वच्छ, स्वस्थ वातावरण में अपना बालपन जीवन व्यतीत करते हैं जब बचपन से निकलकर बौद्धिक समझदारी में आते हैं उन्हें आकर्षित करने वाली अनेक चीजों में से एक धन है।जिसकी चाहना बल्यपन से निकलने पर ही आने लगती है और यहीं से कुदरत द्वारा दी गई अद्भुत अनमोल बौद्धिक क्षमता पर भ्रष्टाचार और लालच की नकारात्मक सोच हमला करती है जिसनें उसे ईमानदार और आत्म सम्मान रूपी अस्त्र से इन अवगुणों को काट दिया उसका संपूर्ण जीवन सफ़ल हो जाता है और जो इसके घेरे में आ गया वह परिवार कुल सहित दुखों का भागीदारी बन जाता है जिसका मूल कारण गलत स्त्रोतों से कमाया गया धन है!,इसलिए आज हम इस आर्टिकल के माध्यम से भ्रष्टाचार फरेब अन्याय धोखे सहित गलत स्त्रोतों से कमाए गए धन के दुखद परिणामों और ईमानदारी आत्म सम्मान से लाभकारी परिवारों की चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम गलत स्त्रोतों से कमाए गए धन की करें तो श्लोकों में आया है। अन्यायोपार्जितं वित्तं दस वर्षाणि तिष्ठति।प्राप्ते चैकादशेवर्षे समूलं तद् विनश्यति।।

अर्थ- अन्याय या गलत तरीके से कमाया हुआ धन दस वर्षों तक रहता है। लेकिन ग्यारहवें वर्ष वह मूलधन सहित नष्ट हो जाता है।अन्यायोपार्जितं वित्तं दस वर्षाणि तिष्ठति।

प्राप्ते चैकादशेवर्षे समूलं तद् विनश्यति।।...आचार्य चाणक्य अपने इस श्लोतक में कहते हैं कि ऐसे गलत तरीकोंसे कमाया गया पैसा बमुश्किल 10 साल तक ही रहता है, इसके बाद 11वें वर्ष से ही ऐसा पैसा धीरे-धीरे नष्ट होने लगता है, इसलिए व्यक्ति को कभी भी अनैतिक तरीके से पैसा नहीं कमाना चाहिए क्योंकि उसे बुरे कर्मों का फल भी झेलना पड़ता है और कुछ समय बाद ऐसे धन नष्ट भी हो जाता है, फिर चाहे वजह कोई दुर्घटना, बीमारी, नुकसान या अन्य कारण हो। बेहतर होगा कि ईमानदारी से पैसा कमाएं और उसका एक हिस्सान दान में दें, इससे आपके घर में हमेशा बरकत रहेगी और आप दिन-दूनी रात-चौगुनी तरक्की करेंगें।

साथियों बात अगर हम चाणक्य नीति की करें तो, उसके अनुसार पापकर्म द्वारा या किसी को कष्ट और क्लेश पहुंचाकर कमाया पैसा अभीशापित होकर मनुष्य का नाश कर देता है। इस धन के प्रभाव से सज्जन पुरुष भी पाप की और बढ़ने लगते हैं। इसलिए ऐसे पैसों से बचना चाहिए, वरना जल्दी ही कुल सहित उस इंसान का नाश हो जाता है। आचार्य चाणक्य बताते हैं कि ऐसा धन दस साल से ज्यादा नहीं टिक पाता। उसके बाद दुगना खर्चा बीमारी या नुकसान होकर ऐसा पैसा चला जाता है।

साथियों बात अगर हम भ्रष्टाचार जैसे गलत स्त्रोतों से कमाए गए धन के परिणामों की करें तो हम इलेक्ट्रानिक और प्रिंट मीडिया में भ्रष्टाचारियों के अनेक दुखद नकारात्मक परिणामों के बारे में पढ़ते सुनते रहते हैं परंतु मेरा यह निजी और व्यक्तिगत रूप से अपने साथियों दोस्त अफसरों के अनुभव की जानकारी रेखांकित किया हूं कि जो भ्रष्टाचार करता है वह अपने जीवन में कभी सुखी नहीं रहता उसके परिवार, बच्चे कुल में संकटों का पहाड़ किसी न किसी रूप में गिरता ही रहता है और सबसे बड़ी बात, कि मां लक्ष्मीत चंचल होती हैं, यदि गलत तरीकों से धन कमाया गया तो मां लक्ष्मीं नाराज होकर चली जाती हैं,अनैतिक तरीकों से चोरी, धोखे, अन्यांय, जुआ आदि के जरिए कमाया गया धन हमेशा साथ नहीं रहता है। साथियो हमने देखे होंगे कि भ्रष्टाचारियों के पास धन अधिक समय तक नहीं रहता वह निकल जाता है सुबह नहीं तो शाम निकलता जरूर है जिसकी परिणति हम बड़े बड़े ऑफिसरों नेताओं ऊपर ईडी, आईटी, सीबीआई की रेड से करोड़ों रुपए के धन की बरामदगी के रूप में किससे मीडिया में देखते सुनते रहते हैं।

साथियों बात अगर हम धन को बचाने की करें तो, धन कमाने से कई ज्यादा मुश्किल काम होता है धन को बचाकर रखना। कुछ लोग कम पैसे कमाने के बाद भी अपने लिए अच्छा खासा धन जोड़कर रख लेते हैं वहीं कुछ लोग बहुत पैसा कमाने के बाद भी ऐसा नहीं कर पाते।आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में धन से जुड़ी कई बातें बताई हैं। जिन्हें अपनाकर हम अपने धन को नष्ट होने से बचा सकते हैं। इन नीतियों से धन को इस्तेमाल करने का सही तरीका जाना जा सकता है। साथ ही इस बात की भी जानकारी मिल जाती है कि हम कैसे पैसों की बचत कर सकते हैं।

साथियों बात अगर हम धन को लेकर 10 बातों की करें तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में दी गई चाणक्य नीति के अनुसार (1)धन की बचत करना (2) धन का सकारात्मक सम्मान (3) समृद्धि के साथ रहवास (4) धन जीवन की परीक्षा बोधक है (5) धन का मोह नहीं करना चाहिए (6) धन का सम्मान करना चाहिए (7) बेवजह धन खर्च ना करनाचाहिए (8) धन के सम्मान संबंधी लक्ष्मी मां की परीक्षा (9) धन का दिखावा रोकना नवा सकारात्मक कौशल से धन का उपयोग स्वस्थ (10) स्वस्थ स्त्रोतों को से धन आगमनसूचक शैली अपनाना।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अन्यायोपार्जितं वित्तं दस वर्षाणि तिष्ठति।प्राप्ते चैकादशेवर्षे समूलं तद् विनश्यति।ईमानदारी और आत्म सम्मान मानवीय जीवन के दो अनमोल हीरे मोती हैं। भ्रष्टाचार फरेब अन्याय धोखे सहित गलत स्त्रोतों से कमाया गया धन बीमारी दुख कलेश के माध्यमों से ब्याज सहित परिवार कुल का नाश करते हुए निकल जाता है।

विचार मंथन

स्वतंत्रता की नई परिभाषा बताएं

सुप्रीम कोर्ट ने एक ऐतिहासिक और दूरगामी असर वाला फैसला सुनाते हुए नागरिक स्वतंत्रता के संरक्षण की दिशा में एक और मजबूत कदम बढ़ाया है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति एजी मसीह की खंडपीठ ने आदेश दिया है, कि किसी भी नागरिक की गिरफ्तारी से पहले जांच अधिकारी द्वारा लिखित रूप में गिरफ्तारी का कारण बताना अनिवार्य होगा। यह आदेश देश के सभी उच्च न्यायालयों और राज्य सरकारों को भेजा गया है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि आम नागरिकों को संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों का पालन हर स्तर पर किया जा सके। यह निर्णय संविधान के अनुच्छेद 22(1) में निहित सुरक्षा को नई व्याख्या देता है। दरअसल अनुच्छेद 22 नागरिकों को मनमानी गिरफ्तारी से सुरक्षा प्रदान करता है और कहता है कि किसी भी व्यक्ति को बिना कारण बताए हिरासत में नहीं लिया जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि गिरफ्तारी का कारण बताना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि यह एक बाध्यकारी संवैधानिक दायित्व है। खंडपीठ ने कहा कि गिरफ्तारी के कारणों को लिखित रूप में उस व्यक्ति को समझ में आने वाली भाषा में बताया जाना चाहिए। अगर किसी कारणवश लिखित रूप से कारण देना संभव न हो, तो जांच अधिकारी को मौखिक रूप से बताना अनिवार्य होगा ताकि आरोपी मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना पक्ष प्रभावी ढंग से रख सके। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि इस प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया तो ऐसी गिरफ्तारी और उसके बाद दिया गया रिमांड पूरी तरह से अवैध माना जाएगा। ऐसी स्थिति में न्यायाधीश को गिरफ्तार व्यक्ति की तत्काल रिहाई का आदेश देना होगा। यह फैसला पुलिस और न्यायिक तंत्र के बीच जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक मजबूत प्रयास है। कोर्ट ने यह भी कहा है कि पुलिस अधिकारी को गिरफ्तारी की पुस्तिका में स्पष्ट रूप से यह लिखना होगा कि किन कारणों से गिरफ्तारी की गई और गिरफ्तारी की सूचना संबंधित व्यक्ति के परिवार के किस सदस्य को दी गई। साथ ही, मजिस्ट्रेट को यह सुनिश्चित करना होगा कि जब आरोपी को उनके सामने पेश किया जाए, तब उसे गिरफ्तारी के कारणों की पूरी जानकारी हो। यह आदेश न केवल पुलिस की मनमानी पर रोक लगाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा, बल्कि नागरिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। भारत में अक्सर ऐसे मामले सामने आते हैं जहाँ लोगों को बिना पर्याप्त कारण या साक्ष्य के हिरासत में ले लिया जाता है। कई बार गिरफ्तारी एक राजनीतिक या प्रशासनिक दबाव का परिणाम होती है। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय ऐसे सभी दुरुपयोगों के खिलाफ एक स्पष्ट चेतावनी है। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के पूर्ववर्ती फैसलों की श्रृंखला में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। डीके बसु बनाम पश्चिम बंगाल राज्य (1997) मामले में कोर्ट ने गिरफ्तारी और पूछताछ के दौरान मानवाधिकारों की रक्षा के लिए 11 दिशानिर्देश जारी किए थे। अब यह नया निर्णय उन दिशानिर्देशों को संवैधानिक रूप से और अधिक दृढ़ करता है। यह नागरिक स्वतंत्रता को व्यवहारिक धरातल पर लागू करने की दिशा में एक और ठोस कदम है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में, जहाँ संविधान व्यक्ति की गरिमा को सर्वोच्च मान्यता देता है, वहाँ इस आदेश का न केवल कानूनी, बल्कि नैतिक और सामाजिक महत्व भी अत्याधिक है।

पशुवध निंदनीय-दंडनीय कर्म

सतोगुण में किये गये पुण्यकर्मो का फल शुद्ध होता है, अतएव वे मुनिगण, जो समस्त मोह से मुक्त हैं, सुखी रहते हैं। लेकिन रजोगुण में किये गये कर्म दुख का कारण बनते है। भौतिक सुख के लिए जो भी कार्य किया जाता है, उसका विफल होना निश्चित है। उदाहरणार्थ, यदि कोई गगनचुम्बी प्रासाद बनवाना चाहता है, तो उसके पूर्व अत्यधिक कष्ट

उठाना पड़ता है। मालिक को धन-संग्रह के लिए कष्ट उठाना पड़ता है और प्रासाद बनाने वाले श्रमिकों को श्रम करना होता है। अतएव भगवद्गीता का कथन है कि रजोगुण के अधीन होकर जो भी कर्म किया जाता है, उसमें निश्चित रूप से महान कष्ट भोगने होते हैं।

इससे यह मानसिक तृप्ति हो सकती है कि मैंने यह मकान बनवाया या इतना धन कमाया, लेकिन यह वास्तविक सुख नहीं है। जहां तक तमोगुण का सम्बन्ध है, कर्ता को कुछ ज्ञान नहीं रहता, अतएव उसके समस्त कार्य उस समय दुखदायक होते हैं और बाद में उसे पशु जीवन में जाना होता है। पशु जीवन सदैव दुखमय है, यद्यपि माया के वशीभूत होकर वे इसे समझ नहीं पाते। पशुओं का वध भी तमोगुण के कारण है। पशु-बधिक यह नहीं जानते कि भविष्य में इस पशु को ऐसा शरीर प्राप्त होगा, जिससे वह उनका वध करेगा। यही प्रकृति का नियम है। मानव समाज में यदि कोई किसी मनुष्य का वध कर दे तो उसे प्राणदंड मिलता है।

यह राज्य का नियम है। अज्ञानवश लोग अनुभव नहीं करते कि संसार परमेश्वर द्वारा नियंत्रित एक पूरा राज्य है। प्रत्येक जीवित प्राणी परमेश्वर की संतान है और उन्हें एक चींटी तक का मारा जाना सह्य नहीं हैं। इसके लिए मनुष्य को दंड भोगना पड़ता है।

गड्ढों वाली व्यवस्था और खतरे में पड़ता जीवन

ललित गर्ग

गड्ढों में गिरी व्यवस्था में समाप्त होता जीवन आज के भारत की एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर मन भीतर तक सिहर उठता है। नोएडा में कार सवार युवा इंजीनियर की गड्ढे में गिरकर मौत का दर्द अभी समाज के मन से उतरा भी नहीं था कि दिल्ली में बाइक सवार युवक की जान एक खुले गड्ढे ने लील ली। दोनों घटनाओं में समानता यह है कि गड्ढे प्रशासन द्वारा विकास या मरम्मत के नाम पर खोदे गए थे और दोनों जगह न तो कोई बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड, न रोशनी की व्यवस्था। मानो व्यवस्था ने पहले गड्ढा खोदा और फिर निश्चिंत होकर वहां से हट गई कि अब जो होगा, वह नागरिक की किस्मत है। यही वह सोच है जो किसी भी समाज को भीतर से खोखला कर देती है।

प्रश्न यह नहीं है कि गड्ढे क्यों खोदे गए, प्रश्न यह है कि गड्ढे खोदकर लोगों को मौत के मुंह में धकेलने का अधिकार प्रशासन को किसने दिया। क्या विकास का अर्थ यह हो गया है कि सड़कों पर चलते हुए हर नागरिक अपनी जान हथेली पर रखे। क्या शहरों की चमक-दमक और बड़े-बड़े दावों के बीच आम आदमी का जीवन इतना सस्ता हो गया है कि उसकी मौत पर सिर्फ एक खबर छप जाए, दो दिन बहस हो और फिर सब कुछ सामान्य हो जाए। यह सामान्य हो जाना ही सबसे बड़ा खतरा है, क्योंकि जब मौतें सामान्य लगने लगें, तब व्यवस्था की संवेदनशीलता मर चुकी होती है।

दिल्ली जल बोर्ड द्वारा खोदा गया गड्ढा हो या नोएडा की किसी एजेंसी का, जिम्मेदारी तय करने की प्रक्रिया हर बार एक जैसी रहती है। अफसर निलंबित कर दिए जाते हैं, जांच समितियां बना दी जाती हैं, 24 या 48 घंटे में रिपोर्ट देने की घोषणा होती है और कुछ समय बाद वही फाइलें धूल फांकने लगती हैं। निलंबन और जांच अब समाधान नहीं, बल्कि एक औपचारिक रस्म बन गई है। सवाल यह है कि क्या निलंबन से मरे हुए बेटे लौट आते हैं, क्या जांच समितियों से टूटे हुए परिवार फिर से जुड़ जाते हैं। जब तक जवाबदेही केवल कागजों पर सिमटी रहेगी, तब तक गड्ढों में गिरती जिंदगियां यूं ही व्यवस्था का शिकार बनती रहेंगी।

इस पूरी तस्वीर का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि बड़े शहरों में ऐसी घटनाएं कम से कम चर्चा में तो आती हैं, मीडिया सवाल तो उठाता है, लेकिन छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में यही गड्ढे रोज जिंदगियां निगल रहे हैं और खबर तक नहीं बनते। वहां न कैमरा पहुंचता है, न कोई प्रतिनिधि, न कोई जांच समिति। वहां मौतें सिर्फ परिवारों की निजी त्रासदी बनकर रह जाती हैं। क्या नागरिक का मूल्य शहर के आकार से तय होगा। क्या महानगरों का नागरिक ज्यादा कीमती है और छोटे शहरों का नागरिक सस्ता। यह असमानता केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की भी है।

हम एक ओर विकसित भारत, सशक्त भारत, विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की बात करते हैं, दूसरी ओर हमारी सड़कों पर खुले गड्ढे हमें आईना दिखाते हैं। विकास की रफ्तार तेज हो सकती है, लेकिन यदि उस रफ्तार में सुरक्षा, जिम्मेदारी और मानवीय संवेदना नहीं जुड़ी, तो वह रफ्तार विनाश की ओर ही ले जाएगी। यह विडंबना ही है कि हम स्मार्ट सिटी की बातें करते हैं, लेकिन स्मार्ट बैरिकेडिंग, स्मार्ट चेतावनी और स्मार्ट जिम्मेदारी पर बात करना भूल जाते हैं। तकनीक के युग में भी एक साधारण चेतावनी बोर्ड लगाना हमारे तंत्र को याद नहीं रहता।

दरअसल समस्या केवल लापरवाही की नहीं, बल्कि उस मानसिकता की है जिसमें नागरिक को एक आंकड़ा समझ लिया गया है। फाइलों में वह एक केस नंबर है, सड़क पर वह एक बाधा और हादसे के बाद वह एक आंकड़ा। जब तक प्रशासन और शासन की दृष्टि में नागरिक का जीवन सर्वोपरि मूल्य नहीं बनेगा, तब तक हर नया गड्ढा एक नई मौत की संभावना बनकर खड़ा रहेगा। सवाल यह भी है कि क्या इन गड्ढों के लिए कभी उच्च स्तर पर नैतिक जिम्मेदारी तय होगी। क्या कभी ऐसा होगा कि किसी बड़े पद पर बैठे व्यक्ति से पूछा जाए कि आपके विभाग की लापरवाही से एक जान गई, इसलिए आप पद पर बने रहने के नैतिक अधिकारी नहीं हैं।

भ्रष्ट शासन के समाप्त होने की बड़ी-बड़ी घोषणाएं हर चुनाव में सुनाई देती हैं। पोस्टर बदलते हैं, नारे बदलते हैं, लेकिन जमीन पर गड्ढे वैसे ही रहते हैं। यदि भ्रष्टाचार केवल रिश्वत लेने तक सीमित होता तो शायद उसे पहचानना आसान होता, लेकिन यह जो संवेदनहीन भ्रष्टाचार है, जहां नियमों की अनदेखी, सुरक्षा मानकों की उपेक्षा और समय पर काम पूरा न करना शामिल है, यह ज्यादा खतरनाक है। इसमें पैसा दिखता नहीं, लेकिन इसकी कीमत किसी की जान से चुकानी पड़ती है।

आज जब हम अमृत काल और शताब्दी वर्ष में नए भारत की कल्पना कर रहे हैं, तब यह प्रश्न और भी तीखा हो जाता है कि क्या खुले गड्ढों वाला देश महान बन सकता है। क्या वह देश विकसित कहलाने योग्य है, जहां नागरिक रात को सड़क पर निकलते समय यह दुआ करे कि कहीं कोई गड्ढा उसकी जिंदगी न छीन ले। विकास केवल पुलों, सड़कों और इमारतों से नहीं मापा जाता, बल्कि इस बात से मापा जाता है कि आम आदमी खुद को कितना सुरक्षित महसूस करता है। यदि सुरक्षा का भरोसा नहीं, तो सारी उपलब्धियां खोखली हैं।

गड्ढों में गिरी व्यवस्था केवल सड़कों की समस्या नहीं है, यह हमारे शासन तंत्र की नैतिक गिरावट का प्रतीक है। यह उस दूरी को दिखाता है जो सत्ता और नागरिक के बीच बढ़ती जा रही है। जब तक हर गड्ढे को सिर्फ तकनीकी खामी समझा जाएगा और हर मौत को दुर्भाग्य कहकर टाल दिया जाएगा, तब तक यह सिलसिला रुकेगा नहीं। जरूरत इस बात की है कि हर गड्ढा एक सवाल बने, हर मौत एक चेतावनी और हर लापरवाही एक अपराध मानी जाए।

कब वे गड्ढे भरेंगे, कब व्यवस्था की दरारें बंद होंगी और कब विकास की दौड़ में भागता देश यह भरोसा पाएगा कि वह सुरक्षित हाथों में है, यह सवाल आज हर नागरिक के मन में है। शायद उस दिन हम सचमुच कह सकेंगे कि हमारा देश महान बनने की राह पर है। अभी तो लगता है कि हम महान नहीं, बल्कि परेशान हैं और यह परेशानी सिर्फ गड्ढों की नहीं, गड्ढों में गिरती संवेदनाओं की है।

सामाजिक न्याय हासिल करने की लम्बी यात्रा

राम पुनियानी

रोहित वेम्यूला और अबेदा सलीम तड़वी की आत्महत्या के मुद्दे को लेकर दायर जनहित याचिकाओं और उच्च शैक्षणिक संस्थानों में आत्महत्या करने वाले छात्रों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने एक 16-पृष्ठीय दस्तावेज जारी किया जिसमें वे दिशानिर्देश थे जिन्हें उच्च शैक्षणिक संस्थानों में लागू किया जाना था। इन दिशानिर्देशों का उद्धेश्य था छात्रों को अपमान या ऐसे नकारात्मक विचारों से बचाना जिनके चलते वे अपनी जान ले लेते हैं।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान इस तरह की त्रासद और भयावह घटनाओं में बढ़ोत्तरी हुई है। राज्यसभा को प्रस्तुत की गई रपट ''सिग्नीफिकेंट स्टूडेंट सुइसिडस (2018-2023) में दिए गए आंकड़ों के मुताबिक इस अवधि में आईआईटी, आईआईएम और केन्द्रीय विश्वविद्यालयों सहित उच्च शिक्षण संस्थाओं में 98 छात्रों ने आत्महत्या की। हाशिए पर पड़े समुदायों में स्थिति अधिक चिंताजनक है: केन्द्रीय संस्थानों में 2014 से 2021 के बीच आत्महत्या करने वाले कुल 122 छात्रों में से अधिकांश अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के थे। विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में जाति आधारित भेदभाव की शिकायतों की संख्या में 2019 से 2024 की पांच वर्ष की अवधि के दौरान 118.4 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी हुई।

इसके मद्देनजर यूजीसी की अनुशंसाएं एक ताजी हवा के झोंके की तरह हैं। लेकिन उत्तर भारत के कई स्थानों पर इनका विरोध किया गया, अधिकांशत: उच्च जातियों द्वारा जो संभवत: भाजपा की राजनीति के समर्थक थे। वे मामले को सुप्रीम कोर्ट में भी ले गए, जिसने आनन-फानन में यूजीसी के दिशानिर्देशों को लागू करने पर रोक लगा दी। सर्वोच्च न्यायालय का कहना है कि इस तरह के कदमों से समाज बंटेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने इन्हें अस्पष्ट बताते हुए कहा कि इनका बहुत आसानी से दुरूपयोग किया जा सकता है। हम जानते हैं कि कानूनों के दुरूपयोग की संभावना हमेशा रहती है और जरूरी प्रावधान करके इसे रोका जा सकता है।

तथ्य यह है कि इस तरह की घटनाओं की संख्या में 2019 से 2024 के बीच 118 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रोफेसर सतीश पांडे का तर्क है कि अतीत में जाति प्रथा के माध्यम से प्राप्त होने वाले विशेषाधिकारों का लाभ उठाते हुए पहले तो उच्च जातियों ने समाज में ऊंचा दर्जा हासिल कर लिया और फिर वे जाति-विहीन समाज की बातें करने लगीं। प्रोफेसर अर्जंथ सुब्रमण्यम बताते हैं कि किस तरह जाति-विहीनता को योग्यता को सबसे अधिक तरजीह देने से जोड़ा गया और इसका उपयोग ऊंची जातियों ने तमिलनाडु में जम कर किया क्योंकि वहां का सबाल्टर्न वर्ग अन्याय के खिलाफ उठ खड़ा हुआ। मगर आर्थिक दृष्टि से कमजोर वर्गों को आरक्षण दिए जाने से ऊंची जातियों अब योग्यता की दुहाई देने की स्थिति में भी नहीं हैं।

भाजपा को केन्द्र में सत्तारूढ़ हुए लगभग 12 साल हो चुके हैं। ऊंची जातियां यह जानती हैं और यह अपेक्षा करती हैं कि यह सरकार 'उनकी पक्षधर' है और वह समाज के वंचित वर्गों के हित में उठाए जाने वाले हर सकारात्मक कदम को निष्प्रभावी करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी। इसकी एक मिसाल है उच्च शिक्षण संस्थाएं जहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/ओबीसी के लिए आरक्षित पद रिक्त हैं जबकि आवश्यकत योग्यता रखने वाले इन समुदायों के शिक्षक पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हैं।

इसके अलावा हमारा अनुभव यह रहा है कि यह सरकार सामान्यत: उच्च जातियों को संरक्षण देती है और इसके राज में वंचित वर्गों पर होने वाले अत्याचारो की घटनाओं में तेजी से वृद्धि हो रही है। पिछले कुछ दशकों में इन वर्गों की स्थिति बहुत खराब हुई है। कई आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक सूचकांको से इसकी पुष्टि होती है। ''नेशनल कोएलेशन फॉर स्ट्रेंथनिंग एससीज एंड एसटीज'' के प्रतिवेदन में दिए गए आंकड़ों से ज्ञात होत है कि अनुसूचित जातियों पर होने वाले अत्याचारों में 2021 में 1.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। 2021 में ऐसी सबसे अधिक घटनाएं उत्तरप्रदेश में हुईं जो कुल घटनाओं का 25.82 प्रतिशत थीं। इसके बाद राजस्थान और मध्यप्रदेश 14.7 और 14.1 प्रतिशत के साथ दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। प्रतिवेदन भारत के सामाजिक-राजनैतिक क्षेत्र में व्याप्त सड़ांध की ओर हमारा ध्यान आकर्षित करती है। इसमें हिन्दुत्व शक्तियों की विचारधारा और उनके द्वारा समाज के चिन्हित वर्गों के विरूद्ध की जा रही हिंसा के कारण उसमें हुई बढ़ोत्तरी पर विस्तार से प्रकाश डाला गया है। दलित ऐसा ही एक वर्ग है जिसे निशाना बनाया जा रहा है।

अनुसूचित जाति/ जनजाति/ ओबीसी वर्ग की लड़ाई लंबे समय से जारी है। पहला कदम था यह सुनिश्चित करना कि उनके साथ समानतापूर्ण व्यवहार हो और वे उच्च जातियों के प्रतिरोध के बावजूद शिक्षा हासिल कर सकें। जोतिराव फुले का जीवन एवं संघर्ष इसका उदाहरण है कि मनुष्य होने के नाते वे जिन मूलभूत अधिकारों के हकदार थे, उन्हें हासिल करने में भी उच्च जातियों ने कितनी बाधाएं खड़ी कीं। बाबासाहेब अम्बेडकर ने यह संघर्ष जारी रखा और इसमें मंदिरों में प्रवेश, सार्वजनिक जल स्त्रोतों तक पहुंच और अस्पृश्यता के विरोध जैसे मुद्दों को जोड़ा। राष्ट्रपिता ने अपने जीवन के कई वर्ष अस्पृश्यता के खिलाफ लड़ते हुए बिताए। एक दिलचस्प तथ्य यह है कि उनकी जान लेने का पहला प्रयास तब किया गया था जब उनका मुख्य संघर्ष अस्पृश्यता के उन्मूलन के खिलाफ चल रहा था और वे दलित उत्थान में जुटे हुए थे।

भारतीय संविधान में अस्पृश्यता के विरूद्ध प्रावधान किए गए। उसमें अनुसूचित जाति/जनजाति वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की कई, हालांकि ओबीसी वर्ग के लिए ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया। इस पर अमल आधे-अधूरे मन से किया गया और इन वर्गों के बहुत से लोग आवश्यक योग्यता के बावजूद नौकरियां हासिल करने से वंचित रहे। आरक्षण लागू होने के बाद सन् 1980 आते-आते उच्च जातियों के एक वर्ग ने आरक्षण का विरोध करना शुरू कर दिया। प्रोपेगेंडा यह चलाया गया कि आरक्षित वर्गों के कम काबिल उम्मीदवारों की वजह से उच्च जातियों के अधिक योग्य उम्मीदवारों को नौकरियां हासिल नहीं हो पा रही हैं। आरक्षित वर्ग के लोगों को 'सरकार का दामाद' कहा जाने लगा। ये भ्रांतियां समाज की व्यापक समझ का हिस्सा बन गईं। इन वर्गों के प्रति नफरत के चलते 1980 के दशक में उनके विरूद्ध हिंसा हुई - पहले सन् 1980 में फिर 1985 में। अहमदाबाद और गुजरात के कुछ अन्य भागों में ऐसी घटनाएं अधिक संख्या में हुई और यह हिंसा मुख्यत: आरक्षण के मुद्दे पर ही हुई।

आरक्षण के विरोध के लिए 'यूथ फॉर इक्यालिटी' जैसे समूह गठित हुए जिन्होंने समाज के हाशिए पर पड़े वर्गों के खिलाफ कुलीन वर्गों के तर्कों को प्रचारित करने का काम किया। शिक्षण संस्थानों के परिसरों में भी इन वर्गों के खिलाफ नफरत का माहौल कायम हो गया जो अब बढ़ती आत्मघात की घटनाओं के रूप में साफ नजर आ रहा है। यह तर्क बेमानी है कि इन दिशानिर्देशों में उच्च जातियों के संरक्षण के लिए कोई प्रावधान नहीं है क्योंकि आत्महत्या की ज्यादातर घटनाओं का संबंध अनुसूचित जाति / जनजाति / ओबीसी वर्गों के छात्रों से है। सन् 1990 में व्ही. पी. सिंह सरकार द्वारा मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करने का फैसला उच्च जातियों के लिए एक जबरदस्त झटका था और इसका जबरदस्त विरोध हुआ।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, फाल्गुन कृष्ण पक्ष, शिशिर ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोद्रय पश्चिमे तिथी षष्ठी, सोमवार, स्वाति नक्षत्रे, गण योगे, विव करणे, सुबह कन्या की चंद्रमा, दोपहर बाद तुला की चंद्रमा, भद्रा 52/23 तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिन्सपल, लेखक, कवि तथा उत्तम वृत्ति वाला, कला कौशल में प्रवीण उत्तम वृत्ति वाला, पंडित विद्वान योगी, भोगी तथा उत्तम संस्कृत, मान संस्कार रखने वाला होगा।

मेष राशि :- भाग्य का सितारा साथ देगा, बिगड़े कार्य बनेंगे, योजनापूर्ण अवश्य होंगे।

वृष राशि :- नवीन मैत्री व मंत्रणा सफल हो, संवेदनशील होने से बचिएगा।

मिथुन राशि :- स्त्रीवर्ग से हर्ष, कुछ चिन्ता, व्यवसायिक कार्यों में आरोप, कष्ट अवश्य होगा।

कर्क राशि :- व्यग्र मन उद्विघ्न रखेगा, कार्यगति मंद होवे किन्तु रुके कार्य निश्चय होवे।

सिंह राशि :- साधन संपन्नता के योग बने, दैनिक व्यवसाय गति अनुकूल बनी ही रहे।

कन्या राशि :- विरोधी परेशान करें, व्यर्थ धन का व्यय असमंजस की स्थिति होगी।

तुला राशि :- कार्य व्यवसाय में बाधा, तनाव क्लेश से बचने का प्रयास करें।

वृश्चिक राशि :- चिन्ता बनी रहेगी, कुटुम्ब की समस्याओं का समाधान होगा।

धनु राशि :- बिगड़े हुए कार्य बनेंगे, आशानुकूल सफलता से सहयोग अवश्य ही बने।

मकर राशि :- स्थिति में सुधार कार्य सफलता से संतोष होगा, बिगड़े कार्य बनें।

कुंभ राशि :- स्वास्थ्य नरम एवं कही से तनाव पूर्ण वातावरण कष्टप्रद होगा।

मीन राशि :- दूसरो के कार्यों में समय और धन नष्ट न करें, समय का ध्यान दे।

कुछ लोग मुझे एक्टिंग छोड़ने के लिए कर रहे मजबूर : पायल

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की उभरती अभिनेत्री पायल राजपूत का कहना है कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह पीछे हटने वाली नहीं हैं। पायल राजपूत ने एक बार फिर अपने संघर्ष, दृढ़ता और मजबूत इरादों को खुलकर रखा है। पायल का कहना है कि कठिन समय ने भले ही उन्हें हिलाया हो, लेकिन तोड़ा नहीं। पायल ने एक्स पर लिखते हुए कहा, 'वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं। कई बार मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे रुक जाना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों की अपनी कड़ी मेहनत को याद करती हूं। तब मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी।' उनका यह बयान उन सभी कलाकारों के दिल से जुड़ता है, जो संघर्ष के दौर से गुजर रहे हैं।

नेपोटिज्म और फेवरेटिज्म जैसे मुद्दों पर पायल पहले भी बेबाक रुख अपनाती रही हैं। उन्होंने अपने पिछले पोस्ट में लिखा था कि एक्टर बनना सबसे कठिन करियर में से एक है, क्योंकि यहां हर दिन अनिश्चितता से भरा होता है। उनके अनुसार अक्सर टैलेंट के ऊपर बड़े सरनेम, मजबूत कनेक्शन और पावरफुल एजेंट्स हावी हो जाते हैं। इस वजह से कई बार वे सोचने पर मजबूर हो जाती हैं कि उनकी मेहनत इस सिस्टम में पहचानी जाएगी भी या नहीं। उन्होंने कहा था कि अवसर अक्सर उन्हीं लोगों के पास चला जाता है जिनके पास प्रभावशाली पहचान या बैकग्राउंड होता है। इसके बावजूद पायल ने अपनी हिम्मत नहीं खोई और उम्मीद बनाए रखी। उन्होंने कहा था कि वे सिर्फ अपने टैलेंट और लगन पर भरोसा करती हैं और यही उन्हें आगे बढ़ने की शक्ति देता है।

इस बीच पायल के पास कई दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं। वह मशहूर निर्देशक मुनि की तेलुगू फिल्म 'वेंकटलक्ष्मी' में नजर आएंगी, जिसे तेलुगू, तमिल और हिंदी— तीनों भाषाओं में रिलीज करने की योजना है। इसके अलावा वह तमिल के बड़े बजट की एक अनटाइटल्ड फिल्म में भी काम कर रही हैं, जिसका निर्देशन आर.एस. दुर्गई सेंथिलकुमार कर रहे हैं। इस फिल्म की शूटिंग का पहला फेज चेन्नई में पूरा हो चुका है और यह सच्ची घटनाओं से प्रेरित एक रोमांचक एक्शन-ड्रामा बताया जा रहा है।

इंस्टा स्टोरी में जैकी दादा ने दिग्गजों को किया याद

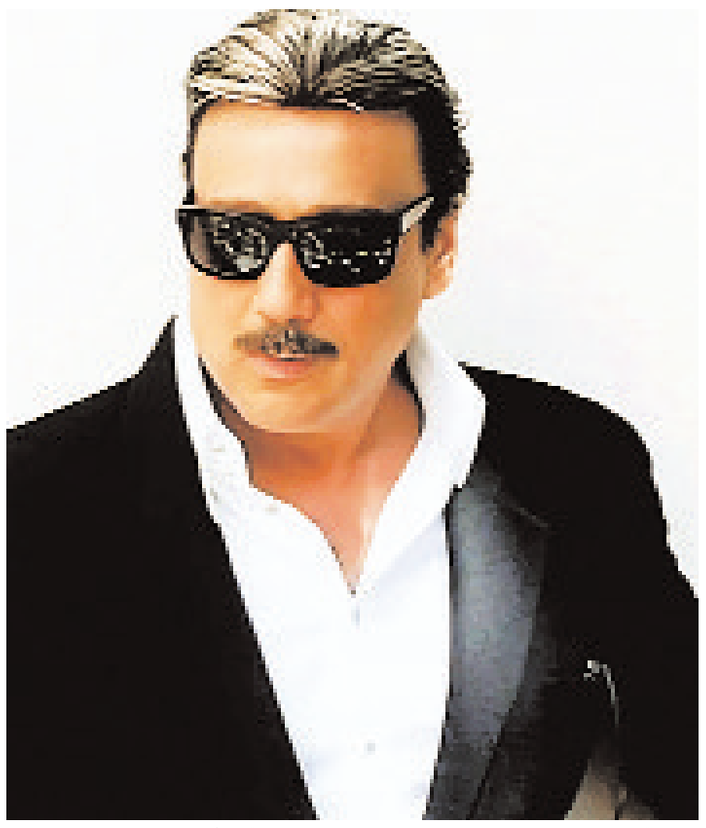

सोशल मीडिया पर बॉलीवुड अभिनेता जैकी श्रॉफ भारतीय कला, संगीत और सिनेमा की विरासत को सम्मान देने के लिए अक्सर आगे आते हैं। हाल ही में उनकी इंस्टाग्राम स्टोरी इसका एक खूबसूरत उदाहरण रही, जहां उन्होंने महान कलाकारों और यादगार चेहरों को भावपूर्ण तरीके से याद किया। अभिनेता ने सबसे पहले हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के दिग्गज पंडित भीमसेन जोशी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अपनी इंस्टा स्टोरी में उन्होंने जोशी की भावनाओं से भरी तस्वीरें साझा कीं और बैकग्राउंड में उनका प्रसिद्ध भजन 'माझें माहेर पंढरी' लगाया। इससे साफ झलकता है कि जैकी श्रॉफ भारतीय संगीत की परंपरा और इसके महान कलाकारों को कितना सम्मान देते हैं।

इसके बाद उन्होंने अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर के जन्मदिन पर एक खूबसूरत वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में उर्मिला की कई पुरानी तस्वीरें शामिल थीं, जिनमें उनकी मुस्कान और मासूमियत देखने लायक थी। इस पोस्ट के साथ जैकी ने फिल्म 'रंगीला' का मशहूर गीत 'तनहा तनहा यहां पे जीना' जोड़ा, जिसने उर्मिला के करियर को नई पहचान दी थी। इतना ही नहीं, जैकी श्रॉफ ने दिग्गज अभिनेता और डांसर भगवान दादा की 24वीं पुण्यतिथि पर भी उन्हें याद किया। उन्होंने उनकी एक क्लासिक क्लिप शेयर की, जिसमें 'शोला जो भड़के' गीत सुनाई दे रहा था एक ऐसा गाना जिसने भगवान दादा को सिनेमा इतिहास में अमर कर दिया। इन तीनों पोस्ट में जैकी श्रॉफ का भारतीय कला के प्रति सम्मान, उनकी संवेदनशीलता और सिनेमा की जड़ों से जुड़ाव स्पष्ट झलकता है। वे सिर्फ अभिनेता नहीं, बल्कि भारतीय सांस्कृतिक धरोहर के प्रशंसक भी हैं। हाल ही में जैकी श्रॉफ ने अपना 69वां जन्मदिन मनाया।

इस मौके पर उनकी बेटी कृष्णा श्रॉफ, निर्देशक सुभाष घई, अभिनेता सुनील शेट्टी समेत कई कलाकारों ने उन्हें सोशल मीडिया पर शुभकामनाएं दीं। कृष्णा श्रॉफ ने पापा की एक ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'हैप्पी बर्थडे, मेरे रक्षक। पापा, मैं आपको पूरे दिल से प्यार करती हूं।' सुनील शेट्टी ने जैकी के साथ अपनी एक खास तस्वीर शेयर की और लिखा, 'मेरे हीरो को जन्मदिन की शुभकामनाएं... आपका दिल आपकी लीजेंडरी पर्सनैलिटी से भी बड़ा है।' सुभाष घई ने जैकी को कविता के साथ बधाई दी 'गौरव वो नहीं जिसका बाप बड़ा होता है, गौरव वो है जो खुद के पांव पर खड़ा

कलाकारों का पूरा दिन निकल जाता है काम में: अर्जुन

आठ घंटे की शिफ्ट को लेकर छोटे पर्दे के जाने-माने अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने खुलकर मीडिया से चर्चा की। उन्होंने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना कितना कठिन होता है। एक्टर ने टीवी इंडस्ट्री के लंबे वर्किंग आवर्स को बेहद मुश्किल बताया। उन्होंने कहा, कागज पर भले ही 12 घंटे की शिफ्ट लिखी जाती हो, लेकिन असल में कलाकारों का पूरा दिन काम में ही निकल जाता है। शूटिंग के अलावा सेट तक आने-जाने का समय, मेकअप, और कई बार ओवरटाइम भी इसमें जुड़ जाता है, जिससे काम के घंटे और बढ़ जाते हैं। अर्जुन ने उदाहरण देते हुए कहा, अगर किसी कलाकार की शूटिंग सुबह 9 बजे से शुरू होती है, तो उसे सुबह 7 बजे उठना पड़ता है। 8 बजे तक घर से निकलना जरूरी होता है ताकि समय पर सेट पहुंचा जा सके। खासकर महिला कलाकारों को कई बार और भी जल्दी बुलाया जाता है, क्योंकि उन्हें मेकअप और तैयार होने में ज्यादा समय लगता है। इस वजह से उनका दिन और भी लंबा हो जाता है। उन्होंने कहा, शूटिंग अक्सर रात 9 बजे तक चलती है और कई बार इससे भी देर हो जाती है। शूट खत्म होने के बाद भी कलाकारों को मेकअप उतारने और कपड़े बदलने में समय लगता है। इसके बाद ट्रैफिक में घर लौटना एक अलग चुनौती होती है। कई बार कलाकार रात के काफी देर से घर पहुंचते हैं, जब शरीर पूरी तरह थक चुका होता है।

इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी तापसी पन्नू

बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू निर्देशक अनुभव सिन्हा के साथ आने वाली इन्वेस्टिगेटिव कोर्टरूम ड्रामा फिल्म अस्सी में नजर आएंगी। मोशन पोस्टर से मिले जबरदस्त रिस्पॉन्स के बाद, निर्माताओं ने फिल्म को सीधे दर्शकों तक ले जाने की शुरुआत कर दी है। इसकी शुरुआत आज जयपुर में एक खास ऑन-ग्राउंड शोकेस से हुई। फिल्म की अनोखी प्रमोशनल स्ट्रेटेजी के तहत, तापसी पन्नू ने जयपुर मीडिया के साथ एक विशेष प्रेस कॉन्फ्रेंस की, वहीं टीम ने साथ ही बड़े पर्दे पर अस्सी का ट्रेलर भी दिखाया।

अभिनेत्री ने मीडिया प्रतिनिधियों के साथ ट्रेलर देखा, पत्रकारों, फैंस और डिजिटल क्रिएटर्स से सीधे संवाद किया और फिल्म तथा उसके सशक्त विषय पर अपने विचार साझा किए। अस्सी के मोशन पोस्टर ने अपने सख्त टोन और तात्कालिक संदेश के कारण पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी थी, जिसने एक हार्ड-हिटिंग सिनेमैटिक अनुभव की मजबूत नींव रखी। जयपुर दौरे ने इस उत्साह को और बढ़ाया, जहां दर्शकों ने फिल्म के तीव्र कोर्टरूम माहौल और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी कहानी को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेज रफ्तार इन्वेस्टिगेटिव थ्रिलर के रूप में पेश की जा रही अस्सी, एक बिल्कुल नए तरह के कोर्टरूम ड्रामा के जरिए आगे बढ़ती है, जो देश में रोजाना दर्ज होने वाले लगभग अस्सी यौन उत्पीड़न मामलों की भयावह सच्चाई से प्रेरित है। फिल्म को एक अर्जेंट वॉच के तौर पर पोजिशन किया जा रहा है, जो मजबूत महिला नायिकाओं के नेतृत्व में सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियों के लिए बढ़ती दर्शक रुचि को दर्शाता है। तापसी पन्नू के साथ फिल्म में कनी कुसरुति, रेवती, मनोज पाहवा, कुमुद मिश्रा और मोहम्मद ज़ीशान अय्यूब भी अहम भूमिकाओं में हैं। वहीं नसीरुद्दीन शाह, सुप्रिया पाठक और सीमा पाहवा की विशेष प्रस्तुतियाँ फिल्म की रोमांचक गहराई को और बढ़ाती हैं। गुलशन कुमार और टी-सीरीज प्रस्तुत अस्सी , बेनारस मीडिया वर्क्स के बैनर तले बनी है।

बॉलीवुड में बदलाव पर जीनत अमान ने उठाए सवाल

हाल ही में इंस्टाग्राम पर भारतीय सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री जीनत अमान ने 1970 के दशक की फिल्म तीसरी आंख का एक खास सीन पोस्ट किया, जिसमें उनका किरदार बरखा काफी आक्रामक है और वह शरारती अंदाज में धर्मेंद्र के किरदार अशोक भोला का पीछा करती दिखती है। अभिनेत्री ने पोस्ट कर लिखा, पुरानी फिल्मों में सीन दोबारा देखना हमेशा एक अनोखा और मजेदार अनुभव होता है। कभी पता नहीं चलता है कि कौन सा सीन दिल को छू लेगा या फिर सोचने पर मजबूर कर देगा। अभिनेत्री ने आगे बताया कि उन्होंने कुछ हफ्ते पहले फिल्म दोस्ताना का एक क्लिप शेयर किया था, जिसमें अमिताभ बच्चन का किरदार इंस्पेक्टर विजय किसी महिला को छेड़ता और स्लट-शेमिंग करता नजर आता है। अब तीसरी आंख का सीन शेयर कर उन्होंने पूछा कि क्या सिर्फ दो सालों में हिंदी सिनेमा में हीरोइनों की भूमिका इतनी तेजी से बदल गई?

जीनत ने लिखा, फिल्म दोस्ताना में पुरुष किरदार आक्रामक था, जबकि तीसरी आंख में महिला का किरदार बरखा आक्रामक है और पुरुष का किरदार अनिच्छुक शिकार बनता है। यह एक तरह का जेंडर फ्लिप है। दोस्ताना का सीन गुस्सा दिलाता है, जबकि यह सीन मजेदार लगता है, क्योंकि पारंपरिक भूमिकाएं उलट गई हैं।

अनुपम खेर ने की अपने म्यूजिक टीचर से मुलाकात, हुए भावुक

हाल ही में दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर ने अपने कॉलेज के समय के म्यूजिक टीचर प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू से मुलाकात की। इस दौरान वे भावुक हो गए। अनुपम आजकल गुरुग्राम में फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग कर रहे हैं। अभिनेता ने म्यूजिक टीचर से मुलाकात का किस्सा फैंस के साथ शेयर किया। अभिनेता ने बताया कि वे गुरुग्राम में फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग कर रहे थे, तभी उनके टीचर प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू को इसकी खबर मिली, तो टीचर ने मिलने की इच्छा जताई, जिसके बाद अभिनेता ने मुलाकात की। अभिनेता ने वीडियो शेयर कर लिखा, 53 साल बाद मुलाकात,

प्रोफेसर सोम दत्त बट्टू 1972-73 में शिमला में मेरे म्यूजिक टीचर हुआ करते थे। उन्होंने हमारे कॉलेज के नाटकों के लिए संगीत भी तैयार किया था। जब मैं गुरुग्राम में फिल्म खोसला का घोसला 2 की शूटिंग कर रहा था, तब किसी तरह उनसे मुलाकात हो गई। अभिनेता ने आगे लिखा, उनका आशीर्वाद पाकर दिल बहुत खुश हो गया। वे मुझे बार-बार बेटा कहकर बुला रहे थे।

इस उम्र में मुझे बेटा कहने वाले बहुत कम लोग हैं, मां के अलावा। अभिनेता ने आखिरी में लिखा, भारत सरकार ने उन्हें 2024 में पद्म श्री से सम्मानित किया। सच कहूं तो उस जमाने में स्कूल और कॉलेज के शिक्षक सिर्फ विषय ही नहीं पढ़ाते थे, बल्कि जिंदगी और उसके सबक भी सिखाते थे। सर, आपके प्यार, ज्ञान और सीख के लिए दिल से धन्यवाद। फिल्म खोसला का घोसला-2 साल 2006 में इसी नाम से बनी सुपरहिट फिल्म का सीक्वल है।

'इक्का' की शूटिंग का तिलोत्तमा ने सुनाया मजेदार किस्सा

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल और अक्षय खन्ना लगभग 29 साल बाद फिर से एक साथ पर्दे पर नजर आने वाले हैं। दोनों की जोड़ी ने 90 के दशक में कई यादगार फिल्मों में काम किया था। नेटफ्लिक्स की बहुप्रतीक्षित ड्रामा फिल्म 'इक्का' से अब दर्शकों को एक बार दोनों से फिर उसी दमदार केमिस्ट्री की उम्मीद है।

फिल्म में दीया मिर्जा, तिलोत्तमा शोम और संजीदा शेख जैसे कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे हैं। हाल ही में नेटफ्लिक्स के एक कार्यक्रम में अभिनेत्री तिलोत्तमा शोम ने फिल्म की शूटिंग से जुड़ा एक दिलचस्प अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि उनके अधिकतर सीन

सनी देओल के साथ थे। एक दिन शूटिंग के दौरान सनी देओल का क्लोज-अप खत्म हो चुका था और उनका क्लोज-अप चल रहा था। तभी दो मक्खियां सनी देओल की आंखों के पास मंडराने लगीं। एक मक्खी उड़ गई, लेकिन दूसरी आकर उनकी आंख की वॉटरलाइन पर बैठ गई। इसके बावजूद सनी देओल शांत रहे और उन्होंने शॉट कट नहीं किया।

तिलोत्तमा ने बताया कि वह खुद परेशान हो रही थीं और जल्दी से अपना डायलॉग खत्म करने की कोशिश कर रही थीं क्योंकि मक्खी लगातार रेंग रही थी। जब शॉट पूरा हुआ, तो तिलोत्तमा ने उनसे पूछा कि उन्होंने कट क्यों नहीं कहा। इस पर सनी ने बहुत सहजता से जवाब दिया, 'मैं अपना टेक खराब नहीं करना चाहता था।' अभिनेत्री ने कहा कि इतने वर्षों के अनुभव के बावजूद सनी देओल की प्रोफेशनलिज़्म और उदारता उन्हें बेहद प्रभावित करती है। आम तौर पर कलाकार असहज होने पर तुरंत कट बोल देते हैं, लेकिन सनी ने ऐसा नहीं किया। उनकी यह समर्पण भावना देखकर तिलोत्तमा भावुक हो गईं। 'इक्का' एक कोर्टरूम थ्रिलर है, जिसकी कहानी एक ईमानदार और मशहूर वकील के इर्द-गिर्द घूमती है। उसे एक ऐसे हत्या आरोपी का केस लड़ना पड़ता है, जिसके करियर को उसने वर्षों पहले खुद बर्बाद कर दिया था।

वकील जानता है कि यह केस उसके जीवन और करियर दोनों के लिए निर्णायक है, इसलिए जीतने के लिए उसे सही और गलत— दोनों तरह के तरीके अपनाने पड़ते हैं। अगर वह हार गया, तो उससे सब कुछ छिन सकता है। सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा द्वारा निर्देशित 'इक्का' जल्द ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। दर्शक इस फिल्म में सनी और अक्षय की जोड़ी को फिर से देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

चाहत ने हसरतें सीजन 3 में निभाया चुनौतीपूर्ण किरदार

हंगामा ओटीटी पर रिलीज हुई नई वेब सीरीज हसरतें सीजन 3 के नए एपिसोड नया किराएदार में चाहत पांडे ने स्मिता नाम की गृहिणी की भूमिका निभाई है। उनका किरदार कई मायनों में महिलाओं की जटिल भावनाओं, उनकी इच्छाओं और उनके संघर्ष को बयां करता है। स्मिता एक ऐसी महिला है, जो अपने पति के अचानक गायब होने के बाद अकेली और भावनात्मक रूप से असुरक्षित महसूस करती है। उसे अपनी दबंग सास के साथ रहना पड़ता है, जिससे उसके जीवन में दबाव और भी बढ़ जाता है। समाज की निगाहें, ऑफिस में हो रहे उत्पीड़न और अपनी अधूरी इच्छाओं को दबाने की मजबूरी ने उसकी जिंदगी को थमा दिया है। लेकिन कहानी में बदलाव तब आता है, जब उसके घर में समर्थ नाम का एक युवा म्यूजिशियन किरायेदार बनकर आता है। उनकी बढ़ती दोस्ती स्मिता के भीतर छिपी हुई भावनाओं को फिर से जागृत करती है।

जैसे-जैसे स्मिता समर्थ के करीब जाने लगती है, अचानक उसके पति की वापसी हो जाती है। स्मिता को अब यह तय करना होता है कि वह समाज की बनाई गई मर्यादाओं और पारिवारिक जिम्मेदारियों में बंधी रहे या अपनी खुशी और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को चुने। यह कहानी दर्शकों को यह सोचने पर मजबूर करेगी कि कभी-कभी जीवन में अपनी खुशी चुनना गुनाह नहीं, बल्कि जीवित रहने का तरीका है। चाहत पांडे ने अपने किरदार को लेकर कहा, स्मिता मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार है। स्मिता ऐसी महिला है, जिसे बचपन से सिखाया गया कि उसे अपने दर्द और अधूरी इच्छाओं को कभी व्यक्त नहीं करना है।

पति के गायब होने के बाद समाज उसे और भी सख्ती से नियंत्रित करने लगता है। इस किरदार के जरिए मैंने यह दिखाने की कोशिश की कि जब एक महिला अपनी आवाज सुनती है, तो उसके जीवन में कितना बड़ा बदलाव आ सकता है। चाहत ने आगे कहा, स्मिता की कहानी उसके अधिकारों को वापस पाने और यह स्वीकार करने की कहानी है कि अपनी खुशी चुनना कोई अपराध नहीं है। यह किरदार महिलाओं की भावनाओं, उनके संघर्ष और उनकी स्वतंत्रता की कहानी को बड़े ही संवेदनशील तरीके से पेश करता है। हसरतें सीजन 3 में चाहत पांडे का यह कदम ओटीटी की दुनिया में उनकी नई पहचान बनाने का भी अवसर है।

सऊदी अरब में भारतीय कारोबारी को निशाना बनाने वाला वीडियो वायरल

रियाद। सऊदी अरब में एक बार फिर भारतीयों को लेकर नस्लीय और धार्मिक टिप्पणी का मामला सामने आया है। राजधानी रियाद में आयोजित एक बिजनेस एग्जिबिशन के दौरान एक भारतीय कंपनी के स्टॉल पर पहुंचे सऊदी नागरिक ने वहां मौजूद कर्मचारियों के धर्म को लेकर आपत्तिजनक सवाल उठाए। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। सोशल मीडिया पर सामने आई कथित वीडियो क्लिप की ईएमएस एजेंसी पुष्टि नहीं करती है, जिसमें एक सऊदी नागरिक भारतीय कंपनी के स्टाफ से बहस करता नजर आ रहा है। वीडियो में वह यह कहते हुए सुना जा सकता है कि कंपनी में सभी कर्मचारी हिंदू हैं और एक भी मुस्लिम कर्मचारी क्यों नहीं रखा गया। वह इस बात को धार्मिक कट्टरता से जोड़ते हुए नस्लीय और भड़काऊ टिप्पणियां करता दिखाई देता है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वीडियो कब का है और इस बहस की शुरुआत किन परिस्थितियों में हुई। इस वीडियो को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राजनीतिक विश्लेषक अमजद ताहा ने अपने एक्स (पूर्व में ट्विटर) अकाउंट से साझा किया है। उन्होंने इसे खुले तौर पर नस्लवाद करार देते हुए सऊदी नागरिक के व्यवहार की कड़ी आलोचना की। अमजद ताहा ने पोस्ट में लिखा कि एक सऊदी व्यक्ति रियाद की एक एग्जिबिशन में भारतीय कारोबारी को उसके हिंदू होने और कंपनी की धार्मिक पहचान को लेकर धमकाने और ताने मारने जैसा व्यवहार कर रहा है। उन्होंने आगे लिखा कि कंपनी में मुसलमान कर्मचारी न होने को लेकर सवाल उठाना अज्ञानता को हथियार बनाने जैसा है। यह गरिमा, आस्था और स्वतंत्र व्यापार पर सीधा हमला है। अमजद ताहा ने कहा कि भारत एक महान सभ्यता है और उस पर इस तरह का हमला स्वीकार्य नहीं है।

शनिवार को भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री ने ली मैराथन बैठकें

वीबी जी रामजी और केन्द्रीय बजट पर प्रदेशभर में होंगी कार्यशाला

भोपाल

भाजपा के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल दो दिवसीय प्रवास पर शनिवार को राजधानी भोपाल पहुंचे। शनिवार की सुबह 11 बजे से देर रात तक उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के साथ पार्टी पदधिकारियों की अलग-अलग बैठकें की। बैठक में जी रामजी योजना और केन्द्रीय बजट की खूबियों को अधिक से अधिक प्रचारित करने पर चर्चा हुई।

तीन दिन पहले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन से भेंट की थी। इस दौरान उन्होंने पार्टी के आगामी कार्यक्रमों के

संबंध में राष्ट्रीय अध्यक्ष से चर्चा की थी। इसके बाद शनिवार को क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जामवाल ने भोपाल पहुंचकर संभागीय प्रभारियों एवं मोर्चा संगठनों के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठकें कीं। पार्टी कार्यालय में सबसे पहले संभाग प्रभारियों की बैठक हुई, जिसमें क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री जामवाल और प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल ने आगामी कार्यक्रमों की कार्योजना साझा करते हुए पार्टी की समय-सारणी के अनुसार उन्हें धरातल पर उतारने के निर्देश दिए।

प्रदेश पदाधिकारियों, मोर्चा प्रभारियों के साथ भी बैठक: शनिवार शाम को क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री जामवाल और प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल ने मोर्चा पदाधिकारियों और पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों के साथ बैठकें कीं।

15 तक प्रदेशभर में होगी कार्यशाला

श्री जामवाल ने कहा कि केन्द्रीय बजट 2026-27 एवं केन्द्र द्वारा शुरू की गई वीबी जी रामजी योजना की विशेषताओं को लेकर 15 फरवरी तक प्रदेशभर में कार्यशालाएं आयोजित की जानी हैं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों से संवाद करना है और पार्टी के माध्यम से केन्द्र सरकार की उपलब्धियों को जनता में हर वर्ग तक पहुंचाना है। गांवों और कस्बों में लोगों को केंद्रीय बजट के फायदे बताएं और कांग्रेस के दुष्प्रचार के प्रति सजग रहकर जनता तक सच पहुंचाएं।

मंडल-जिलों में होंगे कार्यकर्ता प्रशिक्षण

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री खंडेलवाल और क्षेत्रीय संगठन महामंत्री श्री जामवाल ने शनिवार शाम पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 टोली एवं विकसित भारत बजट की प्रदेश टोली की बैठकों को भी संबोधित किया। बैठक में मंडल एवं जिला स्तर पर कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाने को लेकर भी चर्चा हुई। हालांकि अभी पार्टी की ओर से इसकी तिथि घोषित नहीं हो सकी है।

इधर शांति की बातें होतीं रहीं उधर 400 ड्रोन्स और मिसाइलों ने यूक्रेन में मचा दी तबाही

कीव

रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध एक निर्णायक मोड़ पर पहुँच गया है। एक तरफ जहाँ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शांति बहाली के लिए उच्च स्तरीय बैठकें हो रही हैं, वहीं दूसरी तरफ यूक्रेन की धरती पर आसमान से तबाही बरस रही है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि शांति समझौतों पर चल रही चर्चाओं के बीच रूस ने पिछले 24 घंटों में 400 से ज्यादा मौत के दूतों (ड्रोन्स और मिसाइलों) के जरिए उनके देश के ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाया है। जेलेंस्की का आरोप है कि रूस भीषण ठंड को एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर यूक्रेन को घुटने टेकने पर मजबूर करना चाहता है।

यूक्रेनी राष्ट्रपति के अनुसार, रूस ने अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला करते हुए देश के पावर ग्रिड और बिजली वितरण केंद्रों को छलनी कर दिया है। इस हमले में 400 से अधिक आत्मघाती ड्रोन्स और 40 घातक मिसाइलों का उपयोग किया गया। मास्को के इस हमले ने वोलिन, लविव, रिव्ने और विन्नित्सिया जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई है। रिव्ने में तो एक रिहायशी इमारत को भी निशाना बनाया गया, जिससे आम नागरिकों में दहशत का माहौल है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर क्षतिग्रस्त बिजली केंद्रों की तस्वीरें साझा करते हुए कहा कि मास्को ने कूटनीति के बजाय विनाश का रास्ता चुना है और अब दुनिया को मास्को से ठंड को हथियार बनाने की ताकत छीननी होगी।

इस भीषण तनाव के बीच एक बड़ी कूटनीतिक खबर यह आई है कि अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस युद्ध को समाप्त करने के लिए जून 2026 की समय-सीमा (डेडलाइन) तय कर दी है। ट्रंप प्रशासन का लक्ष्य है कि इससे पहले दोनों पक्षों के बीच एक ठोस समझौता हो जाए। हाल ही में 4 और 5 फरवरी को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में अमेरिका की मध्यस्थता में एक त्रिपक्षीय बैठक हुई थी।

अमेरिका से नहीं डरा ईरान कहा- हम किसी भी देश के दबाव में आने वाले नहीं

तेहरान

ओमान में अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधियों के बीच हुई हालिया बातचीत ने वैश्विक कूटनीति में एक नई हलचल पैदा कर दी है। हालांकि इस मुलाकात को एक अच्छी शुरुआत माना जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि दोनों देशों के बीच मतभेदों की खाई कम होने के बजाय और गहरी होती दिख रही है। ईरान ने साफ कर दिया है कि वह किसी भी अंतरराष्ट्रीय दबाव के आगे झुकने वाला नहीं है। तेहरान ने अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा है कि वह केवल परमाणु मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार है और मिसाइल कार्यक्रम या क्षेत्रीय गुटों के समर्थन जैसे विषयों को बातचीत की मेज से पूरी तरह बाहर रखता है।

ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कड़े लहजे में कहा कि यूरेनियम संवर्धन ईरान का अविभाज्य अधिकार है और यह प्रक्रिया किसी भी कीमत पर नहीं रुकेगी। उन्होंने अमेरिका को सीधी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ईरानी धरती पर किसी भी तरह का हमला हुआ, तो मध्य पूर्व में मौजूद सभी अमेरिकी सैन्य ठिकाने ईरान की मिसाइलों के निशाने पर होंगे। अराघची ने

ओमान वार्ता को सकारात्मक बताते हुए अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से शिष्टाचार भेंट की बात तो स्वीकार की, लेकिन साथ ही यह भी जोड़ा कि भरोसे की बहाली के लिए अभी एक बहुत लंबा रास्ता तय करना बाकी है। ईरान का मानना है कि समाधान केवल सम्मानजनक बातचीत से ही निकल सकता है, प्रतिबंधों या धमकियों से नहीं। दूसरी ओर, अमेरिका ने इस मामले में डबल गेम की नीति अपनाई है। एक तरफ जहां बातचीत को सफल बताया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नया कार्यकारी आदेश जारी कर ईरान पर आर्थिक शिकंजा और कस दिया है। इस आदेश के तहत ईरान से व्यापार करने वाले देशों पर भारी टैरिफ और ईरान के तेल निर्यात में शामिल दर्जनों जहाजों व कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाए गए हैं। ट्रंप प्रशासन की ताकत के दम पर शांति की नीति के तहत अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने हाल ही में अरब सागर में तैनात विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन का दौरा कर अपनी सैन्य तैयारियों का प्रदर्शन भी किया। इस कूटनीतिक रस्साकशी के बीच इजरायल की चिंताएं चरम पर हैं।

एमपी बोर्ड परीक्षाएं 10 फरवरी से 25 लाख परीक्षार्थी देंगे परीक्षा

भोपाल

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की वर्ष 2026 की 10-12वीं बोर्ड परीक्षाएं अगले सप्ताह से शुरू हो रही है। इसके लिए मॉडल स्कूल से शनिवार को प्रश्नपत्रों और बोर्ड सामग्री का वितरण कर दिया गया। प्रश्नपत्र परीक्षा केंद्रों के आसपास स्थित थानों में पहुंच चुके हैं। एमपी में लगभग 25 लाख बच्चे इस बार परीक्षा देंगे।

मंडल ने पूर्व के परीक्षा कार्यक्रम की तिथि में संशोधित कर अब 12 वीं की परीक्षा 10 फरवरी से 7 मार्च और 10 वीं की परीक्षा 13 फरवरी से 6 मार्च तक सुबह 9 से दोपहर 12 बजे के बीच कर दिया है। इसके साथ ही प्रैक्टिकल परीक्षा 10 फरवरी से 10 मार्च तक चलेंगी। छात्रों को 08.30 बजे तक परीक्षा केंद्रों पर पहुंचना अनिवार्य है।

मंडल ने एडमिट कार्ड वेबसाइट और स्कूलों में भी उपलब्ध करा दिया हैं। बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार परीक्षा केंद्र पर 08.45 बजे के बाद बच्चों को प्रवेश नहीं मिलेगा।

नकल करने पर 3 साल की जेल या 5 हजार रुपये का जुर्माना लग सकता है। परीक्षा के लिए प्रश्नपत्रों समेत परीक्षा सामग्री का वितरण शनिवार को भी होता रहा। प्रदेश में लगभग

छात्रों को करना होगा ये

- 8.30 बजे तक पहुंचना होगा हॉल में।
- 8.55 बजे बांटा जाएगा पेपर।
- 8.30 बजे प्रश्न-पत्र के बॉक्स खुलेंगे।
- 8.45 बजे प्रश्नपत्रों के पैकेज परीक्षा कक्ष में पहुंचेंगे।
- 8.50 बजे विद्यार्थियों को मिलेगी उत्तर पुस्तिकाएं
- 8.55 बजे तक सील खोलकर प्रश्नपत्र बटेंगे।
- 9 बजे तक प्रश्न-पत्र शेष बचेंगे, उन्हें पर्यवेक्षक केन्द्राध्यक्ष कार्यालय में विधिवत जमा करना होगा।

परीक्षा केन्द्रों पर लगाए जैमर

बोर्ड ने अपना फोकस अतिसंवेदनशील परीक्षा केन्द्रों पर किया है, जहां एक-चार का अतिरिक्त पुलिस गार्ड लगाया गया है। परीक्षा केन्द्र में कलेक्टर के प्रतिनिधि को छोड़कर केन्द्राध्यक्ष व सहायक केन्द्राध्यक्ष सहित किसी को भी मोबाइल फोन रखने की इजाजत नहीं दी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री फरीदाबाद में दीक्षांत समारोह को किया संबोधित

एम्स देश में विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवा संस्थानों का एक सशक्त नेटवर्क : नड्डा

फरीदाबाद

केन्द्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा है कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स की संख्या 6 से बढ़कर 23 हो गई है। एम्स देश में विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सेवा संस्थानों का एक सशक्त नेटवर्क है। फरीदाबाद के शैक्षणिक संस्थान के एक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने मातृत्व और शिशु स्वास्थ्य तथा संक्रामक और गैर-

संक्रामक बिमारियों सहित मुख्य स्वास्थ्य संकेतकों में महत्वपूर्ण प्रगति की है। देश में तपेदिक नियंत्रण का उल्लेख करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत की प्रगति की सराहना की है, जिसमें तपेदिक के मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है लेकिन गिरावट की दर वैश्विक

छात्रों से आगे बढ़ने किया आग्रह

श्री नड्डा ने स्नातक होने वाले विद्यार्थियों को सशक्त मूल्य, नैतिक आचरण और सार्वजनिक सेवा के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक चलने वाले अमृत काल के दूसरे चरण के दौरान स्नातक होने वाले विद्यार्थियों को अपनी पेशेवर यात्रा शुरू करने का सौभाग्य प्राप्त है।

जम्मू पहुंचे थल सेना प्रमुख ने सुरक्षा हालात और सेना की तैनाती की समीक्षा की

जनरल उपेंद्र द्विवेदी को मिला पुराना सहकर्मी, लगाया गले

नई दिल्ली

थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी दो दिन के दौरे पर बीते रोज जम्मू पहुंचे थे। पहले दिन थलसेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जम्मू स्थित सेना के व्हाइट नाइट कोर में सुरक्षा हालात और भारतीय सेना की तैनाती की समीक्षा की। नगरोटा में सेना प्रमुख को कमांडरों ने काउंटर टेररिज्म ग्रिड और डिप्लॉयमेंट की विस्तृत जानकारी दी। सेना की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, सेना प्रमुख ने जम्मू में तैनात अन्य सुरक्षा एजेंसियों के

अधिकारियों से भी मुलाकात की। दूसरे दिन सेना की तैयारियों की समीक्षा के लिए खुद वो ग्राउंड जीरो पर पहुंचे। थलसेना प्रमुख पुंछ के फॉरवर्ड इलाकों में पहुंचे और सेना के जवानों से मुलाकात की। सेना की तरफ से जारी बयान में कहा गया है ।

ऑपरेशन सिंदूर में निभाई थी भूमिका

ऑपरेशन सिंदूर में रिटायर सेना के जवानों ने भी अपनी भागीदारी निभाई थी। सेना के मुताबिक रिटायर होने के बाद भी सूबेदार परवेज़ अहमद ने अपनी जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने जवानों की मदद की, जरूरी सामान से लेकर लोकल जानकारी भी साझा करने में मदद की। उनके इस योगदान को लेकर सेना प्रमुख ने उन्हें 'वेटरन अचीवर अवॉर्ड' से सम्मानित किया। गौरतलब है कि सेना के रिटायर्ड अधिकारी और जवान हमेशा सेना की आंख और कान होते हैं साथ ही स्थानीय स्तर पर अपनी भागीदारी को निर्वाह करते हैं। पिछले कुछ सालों में आतंकियों के खिलाफ सफल ऑपरेशनों के पीछे सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच तालमेल के साथ-साथ तेजी से लोकल इंटेलिजेंस का मिलना है।

मस्जिद हमले की इस्लामिक स्टेट ने ली जिम्मेदारी

पाकिस्तान ने बिना सबूत भारत पर मढ़ा दोष

इस्लामाबाद

पाकिस्तान की राजधानी शुक्रवार को हुए एक भीषण आत्मघाती हमले से दहल उठी है। इस्लामाबाद की एक शिया मस्जिद को निशाना बनाकर किए गए इस आत्मघाती विस्फोट में हताहतों की संख्या शनिवार तक बढ़कर 36 हो गई है।

चिकित्सा अधिकारियों के अनुसार, अस्पतालों में भर्ती कई गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों का आंकड़ा बढ़ गया। इस बीच, वैश्विक आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने आधिकारिक तौर पर इस हमले की जिम्मेदारी ली है।वहीं पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने शनिवार को प्रेस वार्ता के दौरान बिना किसी ठोस सबूत के भारत पर उग्रवादी

संगठनों की मदद करने का आरोप लगाया।

नकवी ने दावा किया कि यद्यपि हमले के पीछे दाएश और तालिबान जैसे संगठनों के नाम सामने आ रहे हैं, लेकिन उन्हें वित्तपोषण और लक्ष्यों की जानकारी भारत से मिल रही है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि इन आतंकी गतिविधियों की फंडिंग सीमा पार से हो रही है, हालांकि उन्होंने अपने इन दावों की पुष्टि के लिए कोई दस्तावेज या प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया। भारत ने पाकिस्तान के इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें निराधार बताया है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए एक बयान जारी कर कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पाकिस्तान अपनी आंतरिक समस्याओं और सामाजिक ताने-बाने को प्रभावित करने वाली चुनौतियों का समाधान करने के बजाय दूसरों पर दोष मढ़ने की नीति अपना रहा है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान खुद को भ्रमित कर रहा है और भारत इस तरह के सभी निरर्थक आरोपों को खारिज करता है। इस्लामिक स्टेट ने अपने मुखपत्र अमाक के माध्यम से जारी एक बयान में इस हमले को एक फिदायीन ऑपरेशन करार दिया है। संगठन ने आत्मघाती हमलावर की पहचान सैफुल्लाह अंसारी के रूप में की है और उसकी एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें वह संगठन के प्रति अपनी वफादारी की शपथ लेते हुए दिखाई दे रहा है। दावे के अनुसार, यह हमला इस्लामिक स्टेट इन पाकिस्तान प्रोविंस के एक लड़ाके द्वारा अंजाम दिया गया। संगठन ने संकेत दिया कि यह हमला सांप्रदायिक प्रतिशोध का हिस्सा है, जिसमें सीरिया में सक्रिय जैनाबियून ब्रिगेड का भी उल्लेख किया गया है। इस भीषण त्रासदी के बाद पाकिस्तान की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी शुक्रवार को बिना किसी प्रमाण के इस हमले में भारत और अफगानिस्तान की संलिप्तता का आरोप लगाया था। वहीं, मस्जिद हमले के तुरंत बाद तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इस घटना में अपनी किसी भी भूमिका से इनकार किया था।

रूसी यूनिवर्सिटी में हुई चाकूबाजी में 4 भारतीय छात्र घायल, पुलिस पर हमला

मॉस्को

रूस के बश्कोर्तोस्तान गणराज्य से एक विचलित करने वाली खबर सामने आई है, जहाँ शनिवार को उफ़ा स्थित स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के छात्रावास में हुई चाकूबाजी की घटना में चार भारतीय छात्र गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इस हमले में कुल आठ लोगों को निशाना बनाया गया। रूस के गृह मंत्रालय ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि एक किशोर संदिग्ध चाकू लेकर छात्रावास परिसर में घुस गया और वहां रह रहे छात्रों पर अंधाधुंध हमला करना शुरू कर दिया।

हमले की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि हमलावर ने न केवल छात्रों को अपना शिकार बनाया, बल्कि गिरफ्तारी का विरोध करते हुए दो पुलिस अधिकारियों को भी चाकू मारकर घायल कर दिया। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार, सुरक्षाबलों द्वारा घेरे जाने पर संदिग्ध ने खुद को भी शारीरिक नुकसान पहुंचाया और खुद को चाकू मार लिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने घटनास्थल के दृश्यों को अत्यंत डरावना बताया है। रूस में स्थित भारतीय मिशन ने इस घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया है। दूतावास ने बताया कि घायल छात्रों में चार भारतीय शामिल हैं और वह स्थानीय अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क बनाए हुए है। कज़ान स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारी सहायता और समन्वय के लिए तत्काल उफ़ा के लिए रवाना हो गए हैं। रूसी संघीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, घायल चार लोगों का सघन चिकित्सकीय उपचार किया जा रहा है, जिनमें से एक की हालत गंभीर बनी हुई है, जबकि तीन अन्य की स्थिति खतरे से बाहर बताई गई है।

[सुरक्षा] धोखाधड़ी रोकने के लिए आरबीआई ला रहा कड़े सुरक्षा नियम

यूपीआई पेमेंट होगा और भी सुरक्षित

नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल भुगतान में सुविचारित सुरक्षा उपाय लागू करने के लिए विमर्श पत्र जारी करने का प्रस्ताव रखा है। इसमें वरिष्ठ नागरिकों जैसे लोगों को धीरे-धीरे राशि जारी करने और अतिरिक्त ऑथेंटिकेशन जैसे उपाय शामिल होंगे। इस कदम का मकसद धोखाधड़ी कम करना और ग्राहक सुरक्षा मजबूत करना है।

आरबीआई ने विकास और नियामकीय नीतियों पर एक बयान में कहा, 'डिजिटल भुगतान को सुरक्षित तरीके से बढ़ावा देने के उद्देश्य के अनुरूप एक चर्चा पत्र जारी करने का प्रस्ताव है जिसमें डिजिटल भुगतान में सुविचारित सुरक्षा उपाय लागू किए जा सकते हैं, जैसे किस्तों में

धन जारी करना, वरिष्ठ नागरिकों जैसे कुछ खास लोगों के अतिरिक्त ऑथेंटिकेशन आदि।'

मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) संवाददाता सम्मेलन के दौरान आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा कि भारत के रियल-टाइम डिजिटल भुगतान तंत्र- यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) को बनाए रखने और बेहतर बनाने का एक स्थायी तरीका तलाशा जाएगा। उन्होंने कहा कि व्यापारी छूट दर (एमडीआर) पर कोई भी फैसला सरकार के अधिकार क्षेत्र में है। उन्होंने कहा, 'किसी को तो यूपीआई चलाने के खर्च का भुगतान करना होगा। फिर भी यह मामला सरकार के अधिकार क्षेत्र में है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम न केवल इसे बनाए रखने, बल्कि इस बेहद महत्त्वपूर्ण भुगतान बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने का तरीका ढूंढ लेंगे जो आने वाले वर्षों में बहुत खास होगा, और हम इसे और बेहतर बनाएंगे।'

मल्होत्रा ने आगे कहा कि ग्राहकों और संबंधित हितधारकों को मौजूदा स्थिति को लेकर चिंतित नहीं होना चाहिए। फिलहाल यूपीआई और रूपे डेबिट कार्ड से किए गए भुगतान पर एमडीआर शून्य है। इसका मतलब है कि इन डिजिटल भुगतानों को प्रसंस्कृत करने का खर्च बैंकों और वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनियों को उठाना पड़ता है।

द्द यूपीआई का इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों और रियल-टाइम भुगतान के जरिये भुगतान स्वीकार करने वाले व्यापारियों के लिए यह मुफ्त है। वित्त वर्ष 2027 में केंद्रीय बजट के तहत 2,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसमें अगर बदलाव नहीं होता है तो यह वित्त वर्ष 2026 से 9 प्रतिशत की गिरावट होगी।

द्द केंद्र सरकार के कम वैल्यू वाले भीम-यूपीआई पीयर-टू-मर्चेंट (पी2एम) और रूपे डेबिट कार्ड लेनदेन को बढ़ावा देने की प्रोत्साहन योजना के तहत वित्त वर्ष 2026 के लिए 2,196.21 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं जो वित्त वर्ष 2025 के 1,922.77 करोड़ रुपये की तुलना में 14.22 प्रतिशत की वृद्धि है।

एसबीआई को तीसरी तिमाही में रिकॉर्ड 21,028 करोड़ का मुनाफा

मुंबई

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2025) में एकल आधार पर 21,028 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ है जो किसी भी तिमाही का रिकॉर्ड है। बैंक के निदेशकमंडल की शनिवार को हुई बैठक में वित्तीय परिणामों को मंजूरी प्रदान की गयी। इसमें बताया गया है कि तीसरी तिमाही में सालाना आधार पर 24.49 प्रतिशत की वृद्धि हुई। पिछले वित्त वर्ष में समान तिमाही में उसे 16,891 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था।

बैंक ने बताया कि तिमाही के दौरान उसका कुल कारोबार 103 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया। कुल जमा 57 लाख करोड़

रुपये और कुल ऋण 46 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। छोटे तथा मझौले उद्यमों को दिये गये ऋण का आंकड़ा छह लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। तिमाही के दौरान ब्याज से बैंक की आमदनी 4.37 प्रतिशत बढ़कर 1,22,556 करोड़ रुपये पर पहुंच गयी। वहीं, उसने जमा पर ब्याज के मद में 77,365 करोड़ रुपये खर्च किये। इस प्रकार ब्याज से उसकी शुद्ध आमदनी 9.04 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 45,191 करोड़ रुपये रही।एसबीआई ने दिये ऋण पर नुकसान के लिए तिमाही के दौरान 3,216 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। कुल ऋण उठाव में घरेलू कंपनियों को दिया गया ऋण 13.37 प्रतिशत बढ़कर 13,33,564 करोड़ रुपये और घरेलू खुदरा ग्राहकों को दिया गया ऋण 14.95 प्रतिशत बढ़कर 16,63,759 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। खुदरा ऋण में होमलोन 9,08,971 करोड़ रुपये रहा जो सालाना आधार पर 14.65 प्रतिशत अधिक है। कुल जमा में घरेलू ग्राहकों के चालू खातों और बचत खातों को योगदान 21,39,726 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले के मुकाबले 8.88 प्रतिशत अधिक है। घरेलू ग्राहकों के सावधि जमा की राशि 9.17 फीसदी की वृद्धि के साथ 33,28,126 करोड़ रुपये हो गयी।गैर-निष्पादित परिसंपत्ति के मामले में बैंक के प्रदर्शन में सुधार हुआ है।

भारत ने रूस से 38 महीने में किया सबसे कम तेल आयात

नई दिल्ली। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर 2025 में भारत ने रूस से 2.7 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया, जो फरवरी 2024 के बाद किसी भी महीने में सबसे कम है। यह नवंबर 2025 के 3.7 अरब डॉलर के आयात से करीब 27% कम और दिसंबर 2024 के 3.2 अरब डॉलर की तुलना में 15% से अधिक की गिरावट है। यह गिरावट ऐसे समय आई है, जब अमेरिका ने 22 अक्तूबर को रूसी तेल क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल पर प्रतिबंधों की घोषणा की थी। अमेरिका ने इन कंपनियों से जुड़े सभी लेन-देन 21 नवंबर तक समाप्त करने की समय-सीमा तय की थी। ये दोनों कंपनियां भारत को रूसी तेल निर्यात की प्रमुख आपूर्तिकर्ता रही हैं।

नासिक की लासलगांव में प्याज के दाम 25% गिरे

मुंबई। नासिक जिले की लासलगांव एग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्केट कमेटी में पिछले 8-10 दिनों में थोक प्याज की औसत कीमतें लगभग 25% गिर गई हैं, क्योंकि बाजार में प्याज की आवक बढ़ गई है। जो कीमतें एक हफ्ते पहले लगभग 1,500 रुपये प्रति क्विंटल थीं, वे अब गिरकर लगभग 1,100 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं। 'ताजा प्याज के स्टॉक की आवक काफी बढ़ गई है, जो पहले लगभग 15,000 क्विंटल प्रतिदिन थी, वह अब 25,000 से 30,000 क्विंटल हो गई है, जिससे कीमतों में गिरावट आई है।'

महीनों बाद सोयाबीन किसानों को राहत

नई दिल्ली। महीनों तक नुकसान की मार झेलने के बाद अब जाकर सोयाबीन किसानों को राहत मिलती दिख रही है। प्रमुख सोयाबीन उत्पादक राज्यों मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में उपज की कीमतें अब एमएसपी के पार पहुंच गई है। दोनों राज्यों की मंडियों में कीमतें 5,328 रुपये प्रति क्विंटल के ऊपर पहुंच गई हैं। यह तेजी सिर्फ स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर साफ दिखाई दे रही है। फरवरी 2026 में सोयाबीन की औसत थोक कीमत करीब 5,774 रुपये प्रति क्विंटल बनी हुई है। इसकी तुलना में जनवरी 2026 में औसत कीमत 5,054 रुपये और दिसंबर 2025 में लगभग 4,790 रुपये प्रति क्विंटल थी।

[दिल्ली बाजार] खाद्य तेलों में घटबढ़

मसूर दाल 39 एवं चना दाल 36 रुपए प्रति क्विंटल सस्ती

नई दिल्ली

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शनिवार को चावल के औसत भाव घट गये जबकि गेहूं में तेजी रही। चीनी के दाम कमोबेश गत दिवस के स्तर पर ही टिके रहे। दालों के दाम टूट गये। वहीं, खाद्य तेलों की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 29 रुपये घटकर 3,822 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी। गेहूं आठ रुपये महंगा हुआ और 2,863 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा 26 रुपये सस्ता हुआ। दाल-दलहनों में तुअर दाल की औसत कीमत 71 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी।

मसूर दाल 39 रुपये और चना दाल 36 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। उड़द दाल का भाव 26 रुपये और मूंग दाल का 16 रुपये प्रति क्विंटल कम हुआ। स्थानीय बाजारों में मूंगफली तेल औसतन 165 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गया। वनस्पति में 20 रुपये की गिरावट रही। सोया तेल की कीमत 37 रुपये और पाम ऑयल की 28 रुपये बढ़ गयी।

सीमेंट ढुलाई बढ़ाने के उपायों के सकारात्मक नतीजे आने शुरू- रेलवे

नई दिल्ली

भारतीय रेल ने कहा है कि थोक सीमेंट परिवहन को लेकर रेलवे की ओर से किये गये सुधारों, टैंक कंटेनर के इस्तेमाल और शुल्क में रियायत जैसे उपायों के सकारात्मक नतीजे सामने आ रहे हैं। रेलवे ने सीमेंट की लदान की सीमा बढ़ाने, रेल आधारित आवाजाही को बढ़ावा देने और सकल टन-किलोमीटर (जीटीकेएम) आधार पर शुल्क में कटौती जैसे उपाय किये हैं। रेलवे ने हाल ही में जीटीकेएम आधार पर चार्जिंग को 90 पैसे से घटाकर 85 पैसे प्रति टन प्रति किलोमीटर किया था। रेलवे कहा गया है कि

इन पहलों के बाद कई सीमेंट कंपनियों ने टैंक कंटेनरों में थोक सीमेंट भेजने के लिए कॉनकॉर से संपर्क किया है। सीमेंट की थोक खेप संभालने और भंडारण के लिए कॉनकॉर अपने टर्मिनलों में साइलो स्थापित करने की सुविधा भी प्रदान कर रहा है। रेलवे के अनुसार जीटीकेएम आधार पर मूल टर्मिनल पर खाली वापसी के लिए छूट के साथ-साथ टैंक कंटेनरों में थोक सीमेंट की लदान की सुविधा के कारण रेल आवाजाही सड़क की तुलना में काफी अधिक प्रतिस्पर्धी हो रही है। रेलवे टैंक कंटेनरों में थोक सीमेंट के परिवहन के लिए दूरी स्लैब के अनुसार प्रति बीस-फुट समकक्ष इकाई (टीईयू) आधार पर शुल्क ले रहा था, जिसमें वापसी के समय टैंक कंटेनरों के खाली रहने पर श्रेणीबद्ध तरीके से छूट दी जाती थी। यह छूट पहले वर्ष में 50 प्रतिशत, दूसरे वर्ष में 40 प्रतिशत, तीसरे वर्ष में 30 प्रतिशत, चौथे वर्ष में 20 प्रतिशत और पांचवें वर्ष में 10 प्रतिशत रखने की व्यवस्था थी।

रिलायंस ने ऑस्ट्रेलियाई बेवरेज कंपनी में खरीदी हिस्सेदारी

बेंगलुरु

रिलायंस समूह की एफएमसीजी कंपनी रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स (आरसीपीएल) ने स्थानीय गुडनेस ग्रुप ग्लोबल में बहुतायत हिस्सेदारी खरीदकर ऑस्ट्रेलिया के बेवरेज बाजार में कदम रखा है।

आरसीपीएल ने शनिवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि वह गुडनेस समूह के स्वास्थ्यवर्धक पेय ब्रांड नेक्सबा और ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के कप्तान पैट कमिंस द्वार सह-संस्थापित पेस ब्रांड की बिक्री को भारत और दूसरे बाजारों में बढ़ावा देने में सहयोग करेगी। इस निवेश के साथ आरसीपीएल को ऑस्ट्रेलियाई बाजार में भी प्रवेश मिल गया है। भारत के बाहर संयुक्त अरब अमीरात, कतर, ओमान, बहरीन,

नेपाल और श्रीलंका में पहले से उसकी मौजूदगी है। उसके स्वास्थ्यवर्धक पेय के पोर्टफोलियो में रसकिक एंड सन क्रश जूस, जीरो शुगर सीएसडी और औषधीय-प्राकृतिक बेवरेज ब्रांड शून्य शामिल हैं। यह साझेदारी भारत की वैश्विक एफएमसीजी कंपनी के रूप में आरसीपीएल को स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बुंदेलखंड बुल्स को मिला दिग्गजों का समर्थन, हरभजन सिंह ने दी शुभकामनाएं

भोपाल

बुंदेलखंड की क्रिकेट टीम बुंदेलखंड बुल्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर के दिग्गज खिलाड़ियों का समर्थन मिलना क्षेत्रीय क्रिकेट के लिए बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। युवा आइकॉन आकाश सिंह राजपूत के आग्रह पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी एवं देश के प्रसिद्ध स्पिन बॉलर हरभजन सिंह ने बुंदेलखंड बुल्स के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

अपने संदेश में हरभजन सिंह ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष युवराज महान आर्यमन सिंधिया की दूरदर्शी सोच और क्रिकेट के विकास के लिए उनके निरंतर योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल

से प्रदेश के साथ-साथ देश को भी नई क्रिकेट प्रतिभाएं मिलेंगी।

हरभजन सिंह ने आकाश सिंह राजपूत की सोच, संघर्ष और प्रयासों की खुले दिल से प्रशंसा करते हुए कहा कि युवाओं को अवसर देने और बड़े स्तर के आयोजनों के माध्यम से खेल संस्कृति को आगे बढ़ाने का उनका प्रयास प्रेरणादायक है। उन्होंने बुंदेलखंड बुल्स के खिलाड़ियों से आपसी मित्रता, टीम भावना और सकारात्मक खेल भावना को बढ़ावा देने का संदेश भी दिया।

गौरतलब है कि आकाश सिंह राजपूत का नाम वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, लंदन में दर्ज है। उन्होंने पिछले वर्ष दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित कर यह उपलब्धि हासिल की थी, जिसकी सराहना स्वयं हरभजन सिंह ने भी की थी। इसके अलावा आकाश सिंह राजपूत बॉलीवुड के चर्चित कलाकार हैं और आश्रम, मिर्जापुर, पोरस जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों में अभिनय कर लोगों के दिलों को जीत चुके हैं। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में 10 लाख पौधारोपण कर वे 'भारत के ग्रीन मैन' की उपाधि भी प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में आकाश सिंह राजपूत एक बार फिर क्रिकेट महाकुंभ का आयोजन कर रहे हैं, वहीं बुंदेलखंड बुल्स की टीम मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग में भी हिस्सा ले रही है। इस पहल की सराहना करते हुए हरभजन सिंह ने बुंदेलखंड बुल्स सहित एमपी प्रीमियर लीग की सभी टीमों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

हरभजन सिंह का यह संदेश न केवल खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाने वाला है, बल्कि बुंदेलखंड क्षेत्र में क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य के लिए भी एक बड़ी प्रेरणा के रूप में देखा जा रहा है।

एलेक्जेंड्रोवा ने मैच पॉइंट बचाकर अबू धाबी फाइनल में जगह बनाई

अबूधाबी

एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा ने मुबाडाला अबू धाबी ओपन फाइनल में पहुंचने के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया। शुक्रवार शाम को तीन सेट में हैली बैपटिस्ट को हराने से पहले एक मैच पॉइंट बचाया। बैपटिस्ट ने पहला सेट जीता और दूसरे सेट में 5-4 पर एलेक्जेंड्रोवा की सर्विस पर मैच पॉइंट हासिल किया। एलेक्जेंड्रोवा ने इसे बचाया, सर्विस बरकरार रखी, और सेट को टाईब्रेक तक पहुंचाया, जहां उन्होंने 5-4 से पीछे होने के बाद अंतिम तीन पॉइंट जीतकर निर्णायक सेट के लिए मजबूर किया। उन्होंने तीसरे सेट की शुरुआत में सर्विस बरकरार रखी, 2-0 से बढ़त बनाई और 4-2 से आगे रहते हुए थोड़े समय के लिए लड़खड़ाने के अलावा, ढाई घंटे में 3-6, 7-6 (5), 6-3 की जीत के साथ मैच को नियंत्रित किया। इस जीत के साथ वह अपने करियर के 13वें फाइनल में पहुंच गई हैं। **वहीं** ग्रेट ब्रिटेन के जे क्लार्क दिल्ली ओपन 2026 में मजबूत विदेशी टीम की अगुवाई करेंगे, जबकि सुमित नागल भारतीय चुनौती की कमान संभालेंगे। यह एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट 16 से 22 फरवरी तक नई दिल्ली के डीएलटीए कॉम्प्लेक्स में राष्ट्रीय राजधानी में वापस आ रहा है। नागल, भारत के टॉप रैंक वाले सिंगल्स खिलाड़ी और सिंगल्स मेन ड्रॉ में सीधे एंट्री पाने वाले अकेले भारतीय, घरेलू फैंस के लिए मुख्य आकर्षण होंगे।

आरिफ खान ने तिरंगा उठाकर शीतकालीन ओलंपिक्स में भारतीय दल की अगुआई की

मिलान कोर्टिना (इटली)। आरिफ मोहम्मद खान ने लिविग्नो स्नो पार्क में आयोजित मिलानो कोर्टिना 2026 शीतकालीन ओलंपिक्स के उद्घाटन समारोह में तिरंगा उठाये हुए भारतीय दल की अगुवाई की। शुक्रवार को मिलानो कोर्टिना 2026 का उद्घाटन समारोह मिलान के सैन सिरो स्टेडियम में, कोर्टिना, लिविग्नो और प्रेडाजो में एक साथ आयोजित किया गया। समारोह में परेड के दौरान आरिफ खान ने भारतीय तिरंगा उठाये हुए थे वहीं इस प्रतियोगिता में देश के एकमात्र दूसरे एथलीट, स्टैनज़िन लुंडुप ने भारतीय प्लेकार्ड पकड़ा हुआ था। मिलानो कोर्टिना 2026 उद्घाटन समारोह में मारिया केरी, लौरा पौसिनी और एंड्रिया बोसेली जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मशहूर कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी।

जागरेब ओपन 2026 कुश्ती टूर्नामेंट

चेतन और पुलकित ने जीते रजत पदक

जागरेब (क्रोएशिया)

भारत के चेतन और पुलकित ने जागरेब ओपन 2026 कुश्ती टूर्नामेंट में क्रमशः 63 किग्रा ग्रीको-रोमन और महिलाओं के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक जीते। इसके अलावा अंजलि (62 किग्रा) और निशा दहिया (68 किग्रा) ने अपने-अपने वर्ग में कांस्य पदक जीते। साल की पहली विश्व कुश्ती महासंघ (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) रैंकिंग सीरीज में भारत के पदकों की संख्या 11 हो गई है जिसमें एक स्वर्ण, चार रजत और छह कांस्य पदक शामिल हैं।

ग्रीको-रोमन वर्ग में चेतन ने 63 किग्रा में दमदार प्रदर्शन करते हुए भारत के अभियान की मजबूत शुरुआत कराई। क्वालीफायर में उन्होंने कजाकिस्तान के दस्तान जारलिखानोव

को 7-6 से हराया। इसके बाद क्वार्टरफाइनल में सर्बिया के देजान बेरकेच को 9-0 से मात दी।

सेमीफाइनल में चेतन ने ईरान के पूर्व विश्व चैंपियन मेयसम डालखानी को 14-5 से चौंकाते हुए फाइनल में जगह बनाई। हालांकि स्वर्ण मुकाबले में उन्हें ईरान के एरफान बेहनाम जारकानी से 8-4 से हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

महिलाओं के 65 किग्रा फ्रीस्टाइल में अंडर-17 वर्ल्ड चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता पुलकित ने नॉर्डिक सिस्टम के तहत रजत पदक जीता। उन्होंने स्वीडन की एग्नेस न्यग्रेन को 10-1 से और रोमानिया की यूरोपियन गेम्स कांस्य पदक विजेता क्रिस्टा इन्से को 2-0 से हराया।

भारत-पाक मैच को लेकर आईसीसी और एपीसीबी के बीच बातचीत शुरू

दुबई

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने 15 फरवरी के गतिरोध पर बातचीत शुरू कर दी है, जब पीसीबी ने फोर्स मेज्योर (एफएम) क्लॉज लागू किया। टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने से कुछ घंटे पहले, माना जा रहा है कि दोनों पक्ष कट्टर प्रतिद्वंद्वियों के बीच बड़े मुकाबले पर चर्चा करने पर सहमत हो गए हैं। यह स्थिति अब बातचीत के चरण तक पहुंच गई है, जब वैश्विक संस्था ने पीसीबी के एक संचार का जवाब दिया, जिसमें आईसीसी द्वारा किसी भी गैर-

अनुपालन और अनुपस्थिति के लिए पीसीबी से संभावित नुकसान का दावा करने की बात कही गई थी।इस घटनाक्रम से जुड़े सूत्रों ने बताया कि आईसीसी ने पीसीबी के संचार का जवाब देते हुए भागीदारी की शर्तों में फोर्स मेज्योर क्लॉज से संबंधित सवाल पूछे और पीसीबी से यह दिखाने के लिए कहा कि उसने फोर्स मेज्योर दावे को कम करने के लिए क्या कदम उठाए हैं। यह बातचीत तब शुरू हुई जब पीसीबी ने औपचारिक रूप से आईसीसी को मैच का बहिष्कार करने के अपने इरादे के बारे में सूचित किया, फोर्स मेज्योर क्लॉज लागू किया, और पाकिस्तान सरकार के एक आदेश का हवाला दिया।

वस्तुओं के अर्पण नहीं स्वयं के समर्पण से मिलते हैं भगवान: पं. धीरेंद्र शास्त्री

सप्तम कन्या विवाह महा महोत्सव की श्रीमद् भागवत कथा का द्वितीय दिवस

छतरपुर

बागेश्वर धाम में सप्तम कन्या विवाह महा महोत्सव के तहत सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन हो रहा है। कथा व्यास बागेश्वर धाम पीठाधीश पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने द्वितीय दिवस की कथा में कहा कि भगवान वस्तुओं के अर्पण से नहीं बल्कि स्वयं के समर्पण से मिलते हैं। जीवन नारियल की तरह होना चाहिए ऊपर से भले ही कठोर हो किंतु अंदर से नरम हो। दूसरे दिवस की कथा के मौके पर मलूक पीठ से गंगा दास जी महाराज एवं इंदौर से रामगोपाल दास जी महाराज एवं अयोध्या धाम के नवल किशोर दास महाराज कथा में शामिल हुए और अपने आशीर्वचनों से कथा प्रेमियों को सिंचित किया।

दस दिवसीय कन्या विवाह महोत्सव के अवसर पर 6 फरवरी से 12 फरवरी तक श्रीमद् भागवत कथा की रसधारा बह रही है। कथा के दूसरे दिन कथा व्यास महाराज श्री ने भगवान को पाने के उपाय बताए। महाराज जी ने कहा कि जो भी भक्त भाव के साथ कथा सुनने आते हैं भगवान की उन पर अवश्य नजर पड़ती है। यदि आपकी श्रद्धा प्रबल हो तो भगवान को प्रकट होना ही पड़ता है। भक्त प्रहलाद की भक्ति और श्रद्धा ने ही खंबे में भगवान को प्रकट किया। महाराज श्री ने कहा कि भगवान से वस्तुएं न मांगे, श्रद्धा के साथ देने वाले को ही मांग लें तो सारी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाएंगी। कथा श्रवण करने से ही जीते जी जीवन स्वर्ग बन जाता है।

भगवान नारायण का प्रसाद है श्रीमद् भागवत महापुराण: बापू

प्रख्यात कथा व्यास चिन्मयानंद बापू ने बागेश्वर धाम आकर बालाजी को प्रणाम किया और श्रीमद् भागवत कथा महापुराण यज्ञ में भी अपनी हाजिरी लगाई। उन्होंने कहा कि भगवान ने स्वयं ही श्रीमद् भागवत कथा गाई है। जिस तरह से राम कथा भगवान महादेव का प्रसाद है। इसी तरह श्रीमद् भागवत कथा भगवान नारायण का प्रसाद है। उन्होंने कहा कि बागेश्वर महाराज अन्नपूर्णा यज्ञ, कन्या विवाह यज्ञ, श्रीमद् भागवत महापुराण यज्ञ जैसे जीवों के कल्याणकारी कार्य कर रहे हैं। भगवान इन्हें इसी तरह समर्थ बनाए रखें।

बालाजी का आशीर्वाद मिलते ही बेटी अमीर हो गई, यूट्बर्स सोशल मीडिया पत्रकारों से संवाद

इस अवसर पर बागेश्वर महाराज का पत्रकारों से संवाद हुआ। महाराज जी ने कहा कि आपके माध्यम से यह बात देश के हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए कि धार्मिक स्थलों से गरीब बेटियों का घर बसाया जाए। यदि कोई साधु दान स्वीकार रहा है तो वह गरीब बेटियों को नया जीवन भी दे रहा है। संतों पर गलत टिप्पणी करने वालों को मुंहतोड़ जवाब भी दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिस बेटी को बालाजी ने चुन लिया वह अब ना तो अनाथ रही और ना ही गरीब बालाजी का आशीर्वाद मिलते ही बेटी अमीर हो गई। इस अवसर पर मीडिया प्रभारी श्री रोहित पाठक श्री कमल अवस्थी एवं वरिष्ठ पत्रकार दैनिक सिटी टुडे के प्रतिनिधि श्री संतोष गंगेले कर्मयोगी नौगांव बुंदेलखंड विशेष रूप से उपस्थित रहे ।

नव गठित पुरानी छावनी तहसील मुख्यालय की दूरी अधिक होने से 30 गांवों के रहवासी परेशान अलग टप्पा तहसील बनाने की मांग

वार्ड 66 के पार्षद ने केंद्रीय मंत्री सिंधिया से मुलाकात कर समस्या से अवगत कराया

ग्वालियर

ग्वालियर जिले में नवगठित तहसील पुरानी छावनी के मुख्यालय की दूरी को लेकर ग्वालियर ग्रामीण गिरवाई सर्किल के अंतर्गत आने वाले 30 गांवों के निवासी परेशान है।

ग्वालियर में बीते वर्ष बनी नई तहसील ग्वालियर ग्रामीण बनाई गई थी जिसका मुख्यालय पुरानी छावनी क्षेत्र में रखा गया है। इस तहसील में ग्वालियर ग्रामीण के वृत्त गिरवाई क्षेत्र के उन 30 गांवों को भी जोड़ दिया गया है जो इस नवीन तहसील मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूरी पर है। वृत्त गिरवाई के ऐसे गांव 1- गिरवाई, 2- वीरपुर, 3- अजयपुर, 4- नीम चन्दोह, 5- चन्दोह खुर्द, 6- बेला, 7- छोड़ा, 8- खेरिया , 9- खेरिया कछाई, 10- नौगांव, 11- सांतऊ, 12- कुशराजपुर, 13- पुरासानी, 14- पिपरोली, 15- शालूपुरा, 16- तिलैया जागीर, 17- बरौआ, 18- बड़ौरी, 19- सिकरौदी, 20- नागौर, 21- सिकरौदा, 22- तुरारी, 23- लखनौती कला, 24- लखनौती खुर्द, 25- ओडुपुरा जागीर, 26- खार, 27- डांग सरकार, 28- अली नगर, 29- लोडरा, 30- नौनेरा आदि सभी ग्राम वासियों की पहले लश्कर ग्वालियर तहसील हुआ करती थी, जिसका मुख्यालय कलेक्ट्रेट भवन में था, जो इन गांवों के निवासियों के लिए नजदीक था।

भितरवार जिला ग्वालियर में अतिरिक्त जिला सत्र न्यायाधीश न्यायालय बनाने की मांग

ग्वालियर जिले के भितरवार एसडीएम क्षेत्र में तीन सिविल न्यायालय होने के साथ पांच थाने इसके अंतर्गत आते हैं परंतु भितरवार में एडीजे कोर्ट ना होने से पक्षकारों को परेशान होना पड़ता है विगत दिवस भितरवार अभिभाषक संघ के अध्यक्ष राजपाल सिंह सिकरवार उपाध्यक्ष बृजेंद्र सिंह यादव सचिव अनिल कुमार नामदेव ने मध्य प्रदेश के विधि सचिव को पत्र लिखकर जनहित में भितरवार में ए डी जे कोर्ट स्थापित करने की मांग की है। अभिभाषकों के अनुसार जल्दी ही इस मांग को स्वीकार नहीं किया गया तो जन आंदोलन भी हो सकता है।

अब इस नवीन तहसील ग्वालियर ग्रामीण के मुख्यालय पहुंचने के लिए इन 30 गांवों के ग्रामीणों को शहर के दक्षिण भाग से पूरा शहर क्रॉस करके उतर भाग में पहुंचना पड़ेगा। इस नवीन तहसील से इन 30 गांवों के रहवासियों को सुविधा के स्थान पर परेशानी और हो गई है। इन 30 गांवो के ग्रामीणों को शहर के एक छोर से पूरा शहर पार करके दूसरे छोर पर पहुंचना पड़ेगा। भारतीय जनता पार्टी ग्वालियर ग्रामीण के जिला मंत्री गिर्राज सिंह गुर्जर एवं वार्ड 66 की पार्षद ऊषा गिर्राज सिंह गुर्जर ने केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से दिल्ली में मुलाकात करके ग्रामीणों की इस समस्या से अवगत कराया और गिरवाई सर्किल के 30 से अधिक गांवों के रहवासियों को राजस्व एवं प्रशासनिक दृष्टि से असुविधा से बचाने के लिए टप्पा तहसील बनाकर कलेक्ट्रेट ग्वालियर से इनके क्षेत्र के राजस्व कार्य संपादित करवाने की मांग की।

बदलते वक्त के साथ चलना हमने सीखा है

ग्वालियर

कावेरी वेलफेयर फाउंडेशन के तत्वावधान में गत दिवस मेला परिसर कला मंदिर में कवि सम्मेलन, इन्फ्लुएंसर सम्मान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें कवियों ने एक से बढ़कर एक गीत एवं काव्य रचनाओं की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी देवेंद्र प्रताप सिंह तोमर और विशिष्ट अतिथि प्रिया तोमर, विनोद गर्ग एवं अशोक शर्मा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रामचरण रुचिर ने एक तरफ तो खाई है गहरी, दूजी ओर कुआं है, जीवन के पथरीले पथ पर चलना कठिन हुआ है अपनी रचनाएं सुनाईं। इसी क्रम में राम लखन शर्मा ने स्वप्न में कैसे निरंतर खो रहा है आदमी, जागरण के दौर में भी सो रहा है आदमी। आदित्य अंशुधर ने बदलते वक्त के साथ चलना हमने सीखा है, न हो चंदा तो बनकर दीप जलना हमने सीखा है। सरिता चौहान ने जख्म दिल के किसी को दिखाए नहीं, राज हमने मगर हां छिपाए नहीं, कोशिशें की भुलाने की हमने बहुत, किन्तु उनको कभी भूल पाए नहीं। इसी क्रम में अनिल राही, डॉ. मनोज चोपड़ा, डॉ. भावना चोपड़ा ने कविता पाठ किया। संचालन पुष्पा मिश्रा ने किया।

परमाल सिंह ने बकरी पालन से बनाया खुद को आत्मनिर्भर

सफलता की कहानी

ग्वालियर

पढ़े-लिखे युवाओं के लिये सरकारी नौकरी के साथ-साथ सरकार द्वारा अनेक योजनाओं के माध्यम से सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें रोजगार देने के लिये मदद दी जाती है। शासन की योजनाओं का लाभ लेकर अनेक युवाओं ने न केवल अपना रोजगार स्थापित किया, बल्कि अन्य लोगों को भी रोजगार उपलब्ध कराने का कार्य किया है। ग्वालियर जिले के छोटे से गाँव दुरसेंडी के परमाल सिंह ने भी पशुपालन योजना के तहत शासन के सहयोग से स्वयं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया है। परमाल का कहना है कि अगर स्वयं को सक्षम करने की इच्छाशक्ति हो तो सरकार की अनेक योजनायें उसमें सहयोगी का कार्य करती हैं।

घाटीगाँव विकासखंड के ग्राम दुरसेंडी के निवासी श्री परमाल सिंह जाटव ने बकरी पालन के लिये पशुपालन विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया। अधिकारियों ने उनका बकरी पालन का ऋण प्रकरण तैयार कर सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया घाटीगाँव की ब्रांच से 77 हजार 456 रुपए का ऋण स्वीकृत कराया। जिसमें 60 प्रतिशत अनुदान सरकार द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है। परमाल ने 10 बकरी एवं एक बकरे की इकाई स्थापित की। अपनी मेहनत से कार्य करते हुए अपने कार्य को निरंतर बढ़ाया। आज उनके पास 25 बकरियां हैं। उनके सार्थक प्रयास में पशु चिकित्सा विभाग घाटीगाँव के चिकित्सकों का भी निरंतर सहयोग मिल रहा है। परमाल जैसे अनेक युवा शासन की योजनाओं से स्वयं को आत्मनिर्भर बना रहे हैं।

संगीत महाविद्यालय में सुमधुर संगीत सभा का आयोजन

ग्वालियर। शासकीय माधव संगीत महाविद्यालय में मासिक सभा के अंतर्गत सुमधुर संगीत सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की प्रथम प्रस्तुति विपिन पवैया ने कत्थक नृत्य में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर दी। इसके पश्चात महाविद्यालय के छात्र उत्कर्ष शर्मा ने बांसुरी पर राग देस एवं एक भावपूर्ण भजन की प्रस्तुति दी। तबले पर हिमांशु चतुर्वेदी एवं तानपुरे पर अदिति त्रिवेदी ने संगत कर प्रस्तुति को सराहनीय बनाया। सभा की अंतिम प्रस्तुति पुणे से आई विदुषी उर्वशी शाह के शास्त्रीय गायन से हुई। उन्होंने राग शुद्ध सारंग में बड़ा ख्याल तथा छोटा ख्याल प्रस्तुत किया। संगत तबले पर विनय बिन्दे एवं हारमोनियम पर अनिल दंडोतिया ने की। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

बीएलओ ने घर-घर पहुंचकर की नोटिसों की तामील

ग्वालियर

जिले में विषेश गहन पुनरीक्षण कार्य के तहत नो मैपिंग और लॉजिकल एरर वाले 3,33,168 मतदाताओं के प्रकरणों के निराकरण के लिए नोटिस जारी कर उनके घरों पर पहुंचकर बीएलओ आवश्यक दस्तावेज एकत्रित कर रहे हैं। क ले क्ट र श्रीमती रूचिका चौहान के निर्देश पर जिले की सभी 6 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 अन्तर्गत नो- मैपिंग और लॉजिकल एरर वाले मतदाताओं को नोटिस जारी कर सुनवाई द्वारा किया जा रहा है। रविवार को समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलओ ने क्षेत्र में भ्रमण कर मतदाताओं को उनके नोटिस तामील कराए।

साथ ही मतदाताओं से आवश्यक दस्तावेज उनसे मौके पर प्राप्त किए। आयोग के निर्देशानुसार इन मतदाताओं की सुनवाई का कार्य 14 फरवरी तक पूर्ण किया जाकर फोटो युक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 21 फरवरी को किया जाएगा।

सामाजिक न्याय मंत्री कुशवाह ने बाल विवाह मुक्ति जागरूकता रथ को रवाना किया

ग्वालियर

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, उद्यानिकी तथा खाद्य प्रसंस्करण विभाग मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह ने रविवार को ग्वालियर निवास पर सेंट्रल फॉर इण्टीग्रेटेड डेवलपमेंट द्वारा संचालित 100 दिवसीय 'बाल विवाह मुक्त भारत' अभियान के अंतर्गत बाल विवाह मुक्ति रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। यह अभियान समाज में जागरूकता बढ़ाने और बाल विवाह जैसी कुप्रथा को समाप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है कि बच्चों को सुरक्षित, शिक्षित और सशक्त भविष्य प्रदान करें। आइए, मिलकर बाल विवाह मुक्त भारत के संकल्प को साकार करें।

'अध्यात्म समाज को मार्गदर्शन देने वाली शक्ति है'

ग्वालियर। अध्यात्म समाज को मार्गदर्शन देने वाली शक्ति है। आध्यात्मिक जगत का उद्देश्य केवल पूजा-पाठ या वैराग्य नहीं, बल्कि मनुष्य को भीतर से सशक्त बनाना है। यह विचार सच्चिदानंद ढोलीबुआ महाराज ने शनिवार को वाइकर मठ में धर्मसभा को संबोधित करते हुए व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि ईश्वर भक्ति का सही अर्थ आत्मविश्वास, अनुशासन और कर्तव्य भावना का विकास है। आध्यात्म ने उस समय समाज को टूटने से बचाया और लोगों को साहस, धैर्य तथा धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। आज के समय में भी आध्यात्म की भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है। आधुनिक मनुष्य साधनों से सम्पन्न है, लेकिन मानसिक रूप से अशांत और दिशाहीन होता जा रहा है। ऐसे में आध्यात्म उसे आत्मसंयम, संतुलन और जीवन का उद्देश्य प्रदान करता है।

श्रीमद् भागवत कथा गंगा समान है: शास्त्री

भागवत को संतों ने गंगा का रूप दिया है, इसलिए श्रीमद् भागवत कथा गंगा के समान है। संतो के श्रीमुख से निकली वाणी भी गंगा कहलाती है। हरिद्वार में जो भागीरथी गंगा बह रही है वह तन को पवित्र करती है। श्रीमद् भागवत गंगा मन को पवित्र करती है। यह विचार गिरगांव स्थित लोढ़ी माता मंदिर पर पटेल परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य दिनेश शास्त्री ने व्यक्त किए। इस मौके पर श्री कृष्ण बाल लीला, माखन चोरी लीला, वेणु गीत गोवर्धन पूजा आदि प्रसंगों का वर्णन किया गया। कथा के दौरान छप्पन भोग व गोवर्धन पर्वत की झांकी सजाई गई।

स्वामी एवं प्रकाशक गुरुशरण सिंह अहलुवालिया द्वारा शर्मा ऑफसेट एण्ड प्रिंटर्स H.O NO. 67 घोसीबाडा दानाओली लश्कर ग्वालियर मप्र, 474001 से मुद्रित एवं एम-3/19 ब्लू लोटस हिल कॉलोनी सिरोल रोड ग्वालियर मप्र 474006 से प्रकाशित। संपादक-गुरुशरण सिंह अहलुवालिया, 9425127301, ईमेल sititoday2008@gmail.com (सभी विवादों के लिए न्यायालीन क्षेत्र ग्वालियर होगा) PRGI NO. MPHIN/2009/31963